साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 134 | जौनपुर, शुक्रवार, 09 फरवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

कश्मीर में आतंकवादियों ने दो श्रमिकों की गोली मार कर हत्या की

कश्मीर, एजेंसी। कश्मीर में इस साल की पहली टार्गेट किलिंग में दो गैर–कश्मीरियों की मौत हो गयी। बुधवार देर शाम श्रीनगर के हब्बा कदल इलाके में आतंकवादियों की गोलीबारी में एक श्रमिक की मृत्यु हो गयी थी और एक घायल हो गया था। गुरुवार सुबह घायल श्रमिक ने भी उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। अधिकारियों ने बताया कि इसके साथ ही हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर दो हो गई है। बुधवार को आतंकवादियों की गोली से मारे गये श्रमिक का नाम अमृतपाल सिंह था जोकि पंजाब के रहने वाले थे। वह हाल ही में अमृतसर स्थित अपने पैतृक स्थान से श्रीनगर लौटे थे। उनकी मौत की खबर सुनकर उनके घरवालों का हाल बेहाल है। जहां तक दूसरे श्रमिक की बात है तो आपको बता दें कि अधिकारियों ने बताया कि रोहित मसीह ने बृहस्पतिवार सुबह एसकेआईएमएस अस्पताल में दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि एसएमएचएस अस्पताल में हालत बिगड़ने के बाद उसे बुधवार देर रात इस संस्थान में स्थानांतरित किया गया था। रोहित भी अमृतसर के रहने वाले थे और उनके पेट में गोलियां लगी थीं। उधर, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला ने गैर–स्थानीय लोगों पर हमले की निंदा की है। पार्टी ने सोशल मीडिया पर एक 'पोस्ट' में कहा, ''जेकेएनसी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला श्रीनगर के हब्बा कदल में अमृतपाल सिंह की जान लेने वाली बर्बर घटना से स्तब्ध और निराश हैं। मृतक के परिवार के प्रति उनकी गहरी संवेदना है।

असम में निर्माण गतिविधियों से बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन हुआ – सीएम हिमंत

असम, एजेंसी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम में जारी निर्माण गतिविधियों के कारण राज्य में बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन हुआ है। उन्होंने कहा कि अपेक्षित कौशल की कमी के कारण रोजगार की तलाश में युवा दूसरे राज्यों की ओर पलायन कर रहे हैं और वहां कम वेतन वाली नौकरियां कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बुधवार को धेमाजी जिले के गोगामुख में एक कौशल प्रशिक्षण केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही। राज्य के युवाओं के नए जमाने और आधुनिक तकनीकी कार्यों में प्रशिक्षित होने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि वे देश– विदेश में उपलब्ध लाभकारी नौकरी के अवसरों के लिए खुद को तैयार कर सकें। असम सरकार ने पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के कौशल को बढ़ाने, निर्माण उद्योग में प्रशिक्षित संसाधनों को संरेखित करने और प्रशिक्षुओं को भविष्य के कौशल और आधुनिक तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से केंद्र स्थापित करने के लिए लार्सन एंड टुब्रो के साथ हाथ मिलाया है।

जयशंकर ने बांग्लादेशी विदेश मंत्री के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर की चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने बांग्लादेशी समकक्ष हसन महमूद के साथ रक्षा और आर्थिक सहयोग सहित द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने समेत कई विषयों पर चर्चा की। बांग्लादेश के विदेश मंत्री हसन महमूद सात से नौ फरवरी तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं।

पिछले महीने संसदीय चुनाव में भारी बहुमत से प्रधानमंत्री शेख हसीना के पांचवीं बार बांग्लादेश की सत्ता में आने के बाद महमूद की यह पहली विदेश यात्रा है। जयशंकर ने महमूद के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की और बुधवार को उनके सम्मान में रात्रिभोज का भी आयोजन किया।

दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों पर हुई बातचीत

विदेश मंत्रालय ने कहा कि बातचीत के दौरान दोनों मंत्रियों ने दोनों देशों के बीच सीमा पार कनेक्टिविटी, आर्थिक और विकास साझेदारी, रक्षा और सुरक्षा में सहयोग, बिजली, ऊर्जा, जल संसाधन आदि की प्रगति की समीक्षा भी की। बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ भी बातचीत की। इस दौरान उन्होंने म्यांमार की बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को भारत और बांग्लादेश दोनों के लिए चिंताजनक बताया व कहा कि यह क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता को प्रभावित कर सकती है।

असम में आप ने 3 सीटों पर उतारे उम्मीदवार

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया गठबंधन के एक प्रमुख सदस्य द्वारा एक और एकतरफा घोषणा में, आम आदमी पार्टी (आप) ने गुरुवार को असम में तीन लोकसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की। आप के राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने उम्मीद करते हुए तीन नामों की घोषणा की कि गठबंधन इन निर्वाचन क्षेत्रों से अनुमति देगा। मनोज धनोहर डिब्रूगढ़ से, भावेन चौधरी गुवाहाटी से और ऋषि राज सोनितपुर से आप के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे।

पाठक ने इंडिया ब्लॉक के प्रति आप की प्रतिबद्धता पर जोर दिया लेकिन आसन्न चुनावों के लिए तैयार रहने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हम एक परिपक्व और समझदार गठबंधन के भागीदार हैं और हमें पूरा विश्वास है कि भारतीय गुट इसे स्वीकार करेगा। लेकिन चुनाव जीतना सबसे महत्वपूर्ण है। हम इन तीन सीटों के लिए तुरंत तैयारी शुरू कर रहे हैं। पाठक ने गठबंधन सहयोगियों से बातचीत की प्रक्रिया में तेजी लाने और अभियान की तैयारियों पर ध्यान केंद्रित करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि काफी समय से बातचीत चल रही है। बातचीत का कोई निष्कर्ष नहीं निकल सका है। मेरा मानना है कि चूंकि चुनाव नजदीक हैं, इसलिए हमारे पास करने के लिए समय कम है और काम ज्यादा है। हमने असम के लिए तीन उम्मीदवारों की घोषणा की है। मुझे उम्मीद है कि ये सीटें भारत गठबंधन द्वारा स्वीकार कर ली जाएंगी और आप को दे दी जाएंगी। आप नेता ने कहा कि सभी चीजों में तेजी लायी जानी चाहिए। कई महीनों से बातचीत चल रही है लेकिन अब तक कोई नतीजा नहीं निकला है। हम मोदी सरकार के खिलाफ लड़ाई में इंडिया ब्लॉक के साथ हैं। गठबंधन पर सभी फैसले तुरंत लिए जाएं। आप नेता ने स्पष्ट किया कि पार्टी पूरी तरह से भारत गठबंधन के साथ है और एक समझदार भागीदार है। उन्होंने कहा कि हालाँकि, लोकसभा चुनाव अभी कुछ महीने दूर हैंय चुनाव लड़ना है तो तैयारी तो करनी ही पड़ेगी। यह विपक्षी गठबंधन के एक अन्य प्रमुख सहयोगी समाजवादी पार्टी द्वारा 16 लोकसभा सीटों के लिए एकतरफा अपने उम्मीदवारों की घोषणा करने के कुछ दिनों बाद आया है। इंडिया ब्लॉक पार्टनर कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे पर आगे की बातचीत के बीच पहली सूची सामने आई। सूची में यादव परिवार के तीन सदस्य हैं, जिनमें मैनपुरी सीट से मौजूदा सांसद डिंपल यादव भी शामिल हैं। सूची में ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) को सबसे अधिक महत्व देने के साथ एक जोरदार पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्याक) छाप भी है।

मुख्यमंत्री योगी की जीरो टालरेंस नीति का दिख रहा असर

लखनऊ, संवाददाता। योगी सरकार प्रदेश में जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपराध और अपराधियों की कमर तोड़ रही है। यूपी पुलिस जहां एक तरफ सीधा मुकाबला करते हुए अबतक 194 से अधिक बदमाशों को ढेर कर चुकी है, वहीं बड़ी संख्या ऐसे अपराधियों की भी है, जिन्हें न्यायालय में पुलिस की प्रभावी पैरवी से बेदम कर दिया गया है। यूपी पुलिस का अभियोजन निदेशालय इसमें अहम रोल अदा कर रहा है। पिछली सरकारों में जहां अभियोजन निदेशालय हाशिये पर रहता था, वहीं योगी सरकार ने इसे खास तरजीह दी है। प्रदेश के विभिन्न न्यायालयों में अभियोजन निदेशालय की प्रभावी पैरवी से पिछले सात माह के अंदर 17 हजार से अधिक मामलों में 23 हजार से अधिक अपराधियों को उनके गुनाहों की सजा दिलायी जा चुकी है। वहीं अपराधियों को सजा दिलाने में प्रदेश के दस जिलों ने बाजी मारी है। अभियोजन निदेशालय के एडीजी दीपेश जुनेजा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जुलाई–23 में प्रदेश के अपराधियों को कोर्ट में प्रभावी पैरवी और शत–प्रतिशत गवाहों की गवाही कराकर अपराधियों को सजा दिलाने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिये थे। इसके तहत अपराधियों को सख्त से सख्त सजा दिलाने के लिए 1 जुलाई से ऑपरेशन कन्विक्शन चलाया गया। इस अभियान के जरिये 25 जनवरी–24 तक 17,657 मामलों में 23,971 अपराधियों को सजा दिलायी गई। इसमें कोर्ट में प्रभावी पैरवी के जरिये 19 अपराधियों को मृत्युदंड की सजा दिलायी गई जबकि 5 वर्ष से कम की सजा में सबसे अधिक 9,139 अपराधियों को सजा दिलायी गई। ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत 1 जुलाई से 25 जनवरी तक 2213 अपराधियों को आजीवन कारावास, 432 अपराधियों को 20 वर्ष अथवा अधिक की सजा, 30 अपराधियों को 15 से 19 वर्ष की सजा, 1405 अपराधियों को 10 से 14 वर्ष की सजा, 2154 अपराधियों को 5 से 9 वर्ष कारावास की सजा दिलायी गई।

पूर्वोत्तर बहुमूल्य प्राकृतिक सुंदरता, प्रतिभाशाली लोगों से समृद्ध – राष्ट्रपति

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूर्वोत्तर बहुमूल्य प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है और वहां के लोगों में अद्भुत प्रतिभा है जो उनके नृत्य, संगीत, वेशभूषा, हस्तशिल्प और व्यंजनों में दिखाई देती है। राष्ट्रपति भवन में विविधता का अमृत महोत्सव का उद्घाटन करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि पूर्वोत्तर में भारतीय संस्कृति के कई खूबसूरत और विविध रूप देखने को मिलते हैं। मुर्मू ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि विविधता का अमृत महोत्सव का पहला संस्करण पूर्वोत्तर के उत्सव के साथ शुरू किया जा रहा है। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक बयान में मुर्मू के हवाले से कहा गया, ''पूर्वोत्तर को बहुमूल्य प्राकृतिक सुंदरता का आशीर्वाद प्राप्त है। वहां के लोगों में अद्भुत प्रतिभा है जो नृत्य, संगीत, वेशभूषा, हस्तशिल्प और व्यंजनों में दिखाई देती है।

दिल्ली में लाल कृष्ण आडवाणी से मिले सीएम नीतीश कुमार, भारत रत्न मिलने पर दी बधाई

बिहार, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात की और उन्हें श्भारत रत्नश मिलने पर बधाई दी। हाल ही में लाल कृष्ण आडवाणी को भारत रत्न देने का ऐलान किया गया था। मुलाकात के बाद नीतीश ने कहा कि मेरा लालकृष्ण आडवाणी से पुराना रिश्ता है। जब उन्हें भारत रत्न देने की घोषणा की गई तो मैंने उन्हें बधाई दी थी। आज उनसे मिलकर मुझे खुशी हुई। आपको बता दें कि एनडीए में वापसी के बाद नीतीश कुमार का यह पहला दौरा है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल होने और भाजपा के साथ गठबंधन में राज्य में सरकार बनाने के कुछ दिनों बाद बुधवार को दिल्ली में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। जनता दल (यूनाइटेड) प्रमुख ने राष्ट्रीय राजधानी की अपनी यात्रा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात की। 28 जनवरी को पाला बदलने के बाद कुमार की प्रधानमंत्री के साथ यह पहली बैठक थी। इस मुलाकात के बाद नीतीश कुमार ने कहा कि हम जहां थे वहीं आ गए हैं, अब इधर–उधर नहीं जाएंगे। नीतीश ने कहा कि हम (बीजेपी–जेडीयू) 1995 से एक साथ हैं जब स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी थे। बीच में 2 बार इधर उधर जरूर हो गए। लेकिन अब कभी नहीं। फिर वहीं रहेंगे, अब इधर उधर नहीं होंगे। सीट बंटवारे पर उन्होंने कहा कि इस पर चर्चा करने के पीछे कोई तर्क नहीं है। यह किया जाएगा। उन्हें शुरू से सब पता है। उन्होंने कहा कि मैं पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिला और हमारी अच्छी बातचीत हुई।

कांग्रेस को कोसने के अलावा पीएम मोदी के पास अपना बताने को कुछ नहीं - खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तथ्यों से छेड़छाड़ कर यूपीए सरकार पर अनर्गल टीका–टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि बेरोजगारी से लेकर आर्थिक विकास दर और महंगाई से लेकर आयात–निर्यात संतुलन जैसे हर मोर्चे पर भाजपा सरकार कमजोर साबित हुई है। राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दोनों सदनों में राष्ट्रपति अभिभाषण पर जवाब के दौरान पीएम की ओर से किए बेहद तीखे हमले पर पलटवार करते हुए कहा कि पीएम ने अनगिनत झूठ के सहारे यूपीए और कांग्रेस को कोसा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने बयान जारी कर कहा कि पीएम मोदी को इसका जवाब देना चाहिए कि यूपीए सरकार के समय बेरोजगारी दर 2.2 प्रतिशत थी मगर उनके कार्यकाल में यह 45 सालों में सबसे ज्यादा क्यों है? यूपीए के 10 सालों में दौरान जीडीपी विकास दर औसतन 8.13 रही तो उनके शासन में केवल 5.6 प्रतिशत क्यों? खरगे ने कहा कि वर्ल्ड बैंक की मानें तो 2011 में ही भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। हमने 10 साल में 14 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला। लेकिन पीएम इधर–उधर के भाषणों को कांट–छांट कर भ्रम और झूठ फैला रहें हैं। सच्चाई है कि डिजिटल इंडिया की तरक्की की बुनियाद यूपीए ने आधार और डीबीटी के जरिए रखी थी। देश की 65 करोड़ आबादी को 2014 तक आधार दिया जा चुका था। डीबीटी–पहल से सीधे सब्सिडी देने का काम शुरू हो गया था। स्वाभिमान योजना के तहत गरीबों के 33 करोड़ बैंक खाते हम खोल चुके थे। खरगे ने कहा कि पीएम मोदी 10 सालों से शासन में हैं मगर अपनी बात करने की बजाय केवल कांग्रेस को कोसते रहे और महंगाई, रोजगार, आर्थिक समानता की कोई बात नहीं की। इस सरकार के पास कोई डाटा नहीं है। एनडीए का मतलब ही नो डाटा एवलेवल सरकार है।

सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को बताया राष्ट्रविरोधी

कोलकाता, एजेंसी। भाजपा ने दावा किया है कि राज्य का बजट चुनावी हथकंडा है। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को विधानसभा में पत्रकारों से मुखातिब होते हुए यह दावा किया। तब अर्थशास्त्री और बीजेपी विधायक अशोक लाहिड़ी उनके साथ थे। इस दिन सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि यह बजट अप्रैल में प्रभावी होगा. तब तक लोकसभा चुनाव के लिए मानक आचार संहिता लागू हो जाएगी। नतीजतन, राज्य सरकार चुनाव खत्म होने तक नई योजनाएं शुरू नहीं कर सकेगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि डर के कारण पेश किया गया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा सत्र में आज खूब हंगामा हुआ। ममता भी गुस्से में दिखीं। हालांकि, एलओपी सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि कौन सीएम? (वह) राष्ट्र–विरोधी है... वह जैसा चाहती है वैसा काम नहीं कर सकती। ये उनका घर नहीं है...बंगाल का गाना राष्ट्रगान नहीं है...ममता बनर्जी राष्ट्रविरोधी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए...बजट बकवास है.श यह एक चुनावी भाषण था। चोर ममता ने 21,000 नई शराब की दुकानें दीं। बीजेपी ने उनकी चुनौती स्वीकार की। अगर उनका बस चले तो उन्हें कल संसद बंद कर देनी चाहिए। बीजेपी विधायक अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि बजट में क्या है?. ..ये डेढ़ महीने बाद वोट खींचने की राजनीति है। युवाओं के लिए रोजगार के लिए क्या है... श्पैसा दो और वोट खरीदोश. बस यही हो रहा है.. . कहां से आएंगी 5 लाख सरकारी नौकरियां? बैलेंस शीट कहाँ है? उनकी रणनीति केंद्र सरकार और गरीबों की योजनाओं का पैसा लूटने की है। दूसरी ओर ममता ने कहा कि अगर विपक्ष की कोई राय है तो वे बजट पूरा होने के बाद इस पर चर्चा कर सकते हैं। उन्हें अपनी राय व्यक्त करने की आजादी है लेकिन यह भाजपा पार्टी कार्यालय नहीं है।श यह विपक्ष के लिए राजनीति करने की जगह नहीं है।श लोगों को यह जानने का हक है कि हमने क्या काम किया है. हम इस गंदी राजनीति की निंदा करते हैं। वे राज्य के खिलाफ हैं, बंगाल विरोधी हैं। वे बंगाल के लोगों का भला नहीं चाहते। क्या आपको शर्म नहीं आती कि आप हमें बजट पेश नहीं करने दे रहे? आपकी राय आपके भाषण में व्यक्त की जा सकती है लेकिन यह आपकी भाजपा पार्टी का कार्यालय नहीं है, यह विधानसभा है। उन्हें याद रखना चाहिए कि उन्होंने 147 सांसदों को संसद से निलंबित कर दिया है लेकिन हम उस रास्ते पर नहीं जाना चाहते। आप कमजोर हो सकते हैं लेकिन हम नहीं, हम इससे लड़ेंगे। अगर हिम्मत है तो बजट पेश होने के बाद बोलें, उससे पहले नहीं।

गोवा विधानसभा में 26,765 करोड़ रुपये का राजस्व अधिशेष बजट पेश

पणजी, एजेंसी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2024–25 के लिए 26,765 करोड़ रुपये का राजस्व अधिशेष बजट पेश किया जिसमें कोई अतिरिक्त कर नहीं लगाया गया है। वित्त मंत्रालय का भी दायित्व संभालने वाले सावंत ने कहा कि राजस्व अधिशेष 1,720 करोड़ रुपये है जबकि सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में 13. 87 प्रतिशत वृद्धि होने की संभावना है। इसकी प्रति व्यक्ति आय 7.64 लाख रुपये होगी। सावंत ने उन आवासीय इकाइयों के लिए एकमुश्त माफी योजना की भी घोषणा की, जो अवैध रूप से होम स्टे, होटल और रेस्तरां के रूप में संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2023–24 में गोवा को केंद्र से वित्तीय सहायता के रूप में 750 करोड़ रुपये मिले और इसके 2024–25 में बढ़कर 1,506 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा कि समाज कल्याण योजनाओं, ऋण चुकाने और बुनियादी ढांचे के विकास जैसी वित्तीय देनदारियों के बावजूद राज्य सरकार ने पिछले वित्त वर्षों में प्राप्ति संबंधी अनियमितताओं पर लगाम लगाने और विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन अपनाकर अपने वित्त में सुधार किया है। इस वित्त वर्ष के लिए भी कोई अतिरिक्त कर नहीं लगाया गया है।

सावंत ने कहा, "हमने राजस्व नागरिकों पर अतिरिक्त कर का बोझ नहीं डाला है।

संपादकीय

महत्वपूर्ण चुनावों में देखना

पाकिस्तान में इस सप्ताह बेहद तनावपूर्ण माहौल और भविष्य को लेकर अनिश्चितता के बीच चुनाव होने जा रहे हैं। देश के 12वें आम चुनाव में रिकॉर्ड 128.5 मिलियन मतदाता तय करेंगे कि अगली सरकार किसकी बनेगी। निस्संदेह, पंजाब में अन्य तीन प्रांतों की तुलना में अधिक मतदाता हैं – 73.2 मिलियन दृ जो इसे युद्ध का मैदान बनाता है जो राष्ट्रीय चुनाव के नतीजे निर्धारित करेगा। 342 सदस्यीय निचले सदन की 266 सामान्य सीटों के लिए 5,113 उम्मीदवार मैदान में हैं। चार प्रांतों में विधानसभा सीटों के लिए कुल 12,638 उम्मीदवार दौड़ में हैं। नेशनल असेंबली सीटों के लिए 313 महिला दावेदार हैं, जो अब तक की सबसे अधिक है, लेकिन फिर भी कुल का केवल छह प्रतिशत है, जबकि 568 महिला उम्मीदवार प्रांतीय असेंबली सीटों की दौड़ में हैं।

मतदाता उपस्थितिरू कितने लोग मतपेटी में उपस्थित होते हैं, यह राजनीतिक भागीदारी के स्तर के साथ–साथ पाकिस्तान के लोकतंत्र के स्वास्थ्य और जीवन शक्ति को प्रतिबिंबित करेगा। यह इस बात का भी एक महत्वपूर्ण संकेतक होगा कि मतदाता चुनावों को कितना विश्वसनीय और समावेशी मानते हैं, खासकर उनकी निष्पक्षता के बारे में व्यापक सार्वजनिक संदेह को देखते हुए। पिछले दो आम चुनावों में औसत मतदान लगभग 52 प्रतिशत था। पिछले चार चुनावों में यह 51: (2018), 53: (2013), 44: (2008) और 41: (2002) के बीच था। 1990 के दशक में, जिसमें 1988 से शुरू होकर लगातार चार चुनाव हुए, मतदान का औसत 42: था, 1997 को छोड़कर जब यह गिरकर 36: हो गया। सामान्य तौर पर, आमतौर पर मतदान का प्रतिशत तब गिर जाता है जब लोगों को लगता है कि उनके वोट से नतीजे पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा या चुनाव 'पूर्व–निर्धारित' था। इस बार यदि मतदान बहुत कम हुआ तो यह चुनाव की अखंडता में विश्वास की कमी का संकेत दे सकता है और इस प्रकार परिणाम की वैधता को कमजोर कर सकता है।

युवा मतदाता पंजीकृत मतदाताओं के बीच युवा उभार अब चुनावी परिदृश्य की एक प्रमुख विशेषता है। युवा मतदाताओं (18 से 35 वर्ष के बीच) की संख्या आज रिकॉर्ड ऊंचाई पर है दृ 57 मिलियन, जो मतदाताओं का 47 प्रतिशत से अधिक है। यह एक संभावित गेम–चेंजर है। मतदान केंद्रों पर कतारों में युवाओं की भारी उपस्थिति इस बात का शुरुआती संकेत दे सकती है कि युवा आबादी वाली पार्टियां कितना अच्छा प्रदर्शन करेंगी। पिछले चुनावों में युवा मतदाताओं का मतदान प्रतिशत कम रहा है। इस पर कोई आधिकारिक आँकड़े नहीं हैं। लेकिन 1988 के बाद से किए गए एग्जिट पोल पर भरोसा करते हुए गैलप पाकिस्तान की रिपोर्ट में पाया गया कि आमतौर पर केवल एक चौथाई युवा मतदाता ही मतदान करते हैं। वास्तविक साक्ष्य यह भी बताते हैं कि युवा लोग अब मतदान करने के लिए अधिक प्रेरित हैं। यदि वे बड़ी संख्या में दिखाई देते हैं, तो यह अशांति पैदा कर सकता है और "निर्वाचित" या स्थानीय रूप से प्रभावशाली उम्मीदवारों की अजेयता के बारे में पारंपरिक ज्ञान को खारिज कर सकता है। नए मतदाता 2018 के चुनाव के बाद से मतदाता सूची में 23.5 मिलियन से अधिक नए मतदाता जोड़े गए हैं, जिनमें 12 मिलियन से अधिक महिला मतदाता शामिल हैं। इस प्रकार, नए मतदाता मतदाताओं का 18 प्रतिशत हैं। इनमें अधिकतर युवा मतदाता शामिल हैं लेकिन संभवतरू ऐसे वृद्ध मतदाता भी हैं जो पहले पंजीकृत नहीं हैं। यह चुनाव में एक महत्वपूर्ण स्विंग कारक प्रदान कर सकता है क्योंकि उनमें से कई किसी भी पार्टी से असंबद्ध हो सकते हैं और उम्मीदवारों द्वारा अंतिम समय में प्रचार के लिए तैयार हो सकते हैं। इससे कई निर्वाचन क्षेत्रों में परिणाम अप्रत्याशित हो सकते हैं। महिलाओं की भागीदारीरू 59.3 मिलियन पंजीकृत महिला मतदाताओं में 46.1 प्रतिशत मतदाता शामिल हैं, भले ही वे जनसंख्या का 49 प्रतिशत हैं। पुरुष मतदाता 69.2 मिलियन या मतदाताओं का 54 प्रतिशत हैं। इसका मतलब है कि महिला मतदाताओं की तुलना में लगभग 10 मिलियन अधिक पुरुष हैं, जो मतदाताओं के निरंतर लिंग अंतर को उजागर करता है। यह देखने लायक होगा कि क्या 8 फरवरी को महिलाओं के मतदान केंद्रों पर अधिक भागीदारी का संकेत देने के लिए लंबी लाइनें दिखाई देंगी, जिससे मजबूत महिला समर्थन वाले दलों को फायदा हो सकता है। सीमांत सीटेंरू देखने के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र सीमांत निर्वाचन क्षेत्र होंगे। पाकिस्तान की फर्स्ट–पास्ट–द–पोस्ट प्रणाली में बड़ी संख्या में कांटे की टक्कर वाली सीटें हैं। 2018 के चुनाव में 100 से अधिक छ। सीटें बहुमत से नहीं, बल्कि बहुलता से जीती गईं। सत्तासी एनए सीटें 1,000 वोटों से कम अंतर से जीती गईं, और 26 सीटें 2,000 वोटों से कम अंतर से जीती गईं। 51 निर्वाचन क्षेत्रों में, विजयी उम्मीदवार की जीत का अंतर 6,000 वोटों से कम था। इनमें से अधिकांश पंजाब में थे दृ जहां आम चुनाव जीते या हारे जाते हैं। आज पंजाब के राष्ट्रीय निर्वाचन क्षेत्रों का औसत आकार लगभग 900,000 है, ये जीत का नाजुक अंतर है। समग्र चुनाव परिणाम इन सीमांत निर्वाचन क्षेत्रों में क्या होता है उससे निर्धारित किया जा सकता है, जहां पीएमएल–एन, पीटीआई समर्थित उम्मीदवारों, पीपीपी और आईपीपी के बीच चतुष्कोणीय लड़ाई हो सकती है। संवेदनशील मतदान केंद्र देश भर के 90,675 मतदान केंद्रों में से आधे को ईसीपी द्वारा "संवेदनशील" या "सबसे संवेदनशील" के रूप में नामित किया गया है।

मोदी-मैक्रोन की केमिस्ट्री स्थायी लाभ देती

विनोद

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी मिलकर अपने लोगों के लिए फ्रेंको–भारतीय संबंधों में दांव लगा रहे हैं ताकि भविष्य के संबंधों को सरकार–से–सरकार लेनदेन से परे मजबूत किया जा सके जो पहले से ही प्रचुर मात्रा में हैं। पिछले महीने भारत के 75वें गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में मैक्रॉन की नई दिल्ली की राजकीय यात्रा के दौरान उपजाऊ नई जमीन तैयार की गई थी। सात महीने पहले जब मोदी पेरिस में थे तब दोनों नेताओं ने इस पाठ्यक्रम की अपरिहार्यता पर चर्चा की थी। फ्रांसीसी विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम पूरा करने वाले भारतीय छात्र और पिछले पूर्व छात्र अब फ्रांस द्वारा जारी पांच साल का शेंगेन वीजा प्राप्त कर सकते हैं जो लगभग पूरे यूरोप के लिए वैध है। यूरोप और उत्तरी अमेरिका की यात्रा करने के इच्छुक भारतीयों के लिए वीजा एक बड़ा सिरदर्द रहा है, खासकर तब जब कोविड महामारी के कारण आवेदनों में बड़े पैमाने पर बैकलॉग पैदा हो गया था। फ्रांसीसी संस्थानों के भारतीय पूर्व छात्रों को अब वीजा नियुक्तियों और अल्पकालिक वीजा जारी होने पर एक वर्ष से अधिक की अनंत प्रतीक्षा अवधि का सामना नहीं करना पड़ेगा। किसी अन्य यूरोपीय संघ के देश ने इतना उदार कदम नहीं उठाया है दृ यह हजारों भारतीयों को फ्रांस का प्रिय बना देगा। इसी तरह, फ्रांस में काम चाहने वाले भारतीय पेशेवरों को द्विपक्षीय प्रवासन और गतिशीलता साझेदारी समझौते में बदलाव से लाभ होगा। चूंकि महामारी के बाद फ्रांस से भारत का पर्यटन पुनरुद्धार के दौर से गुजर रहा है, दूर–दराज के स्थानों से फ्रांसीसी नागरिकों को अब कांसुलर काम के लिए पेरिस की यात्रा नहीं करनी पड़ेगी। अब तक संबंधों में एक बड़ा अंतर पेरिस में अपने दूतावास के अलावा मुख्य भूमि फ्रांस में किसी भी भारतीय की उपस्थिति का अभाव रहा है। मोदी और मैक्रॉन ने मुख्य भूमि फ्रांस में पहला भारतीय वाणिज्य दूतावास स्थापित करने का संकल्प लिया है। यह जल्द ही उस देश के दूसरे सबसे अधिक आबादी वाले शहर मार्सिले में चालू हो जाएगा। इसके साथ ही, फ्रांस हैदराबाद में ब्यूरो डी फ्रांस खोलेगा, जो भारत में छठा फ्रांसीसी राजनयिक चौकी है जो आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के लोगों के लिए वीजा जारी करेगा। एक अन्य लोकलुभावन निर्णय के परिणामस्वरूप, पेरिस जाने वाले भारतीय अब भारत की तत्काल भुगतान प्रणाली, यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से भुगतान कर सकते हैं। शुरुआत में एफिल टॉवर पर यूपीआई सुविधा चालू कर दी गई है। इसे जल्द ही पेरिस के संग्रहालयों, पूरे फ्रांस के होटलों और रेस्तरां जैसी सुविधाओं तक विस्तारित किया जाएगा। गणतंत्र दिवस परेड की भव्यता और धूमधाम के बीच, एक प्रतीकात्मक लेकिन महत्वपूर्ण घटना लोगों का ध्यान खींचने से बच गई। औपचारिक परेड में भाग लेने वाले राफेल जेट और फ्रांसीसी वायु और अंतरिक्ष बल के एक बहुउद्देश्यीय टैंकर परिवहन विमान ने फ्रांस से भारत में उड़ान नहीं भरी। वे संयुक्त अरब अमीरात के अल धफरा हवाई अड्डे से आए थे। नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह से तीन दिन पहले, इन सैन्य विमानों ने भारतीय और संयुक्त अरब अमीरात वायु सेनाओं के साथ अल धफरा में 'डेजर्ट नाइट' नामक त्रिपक्षीय अभ्यास में भाग लिया था। त्रिपक्षवाद अब भारतीय विदेश नीति में चर्चा का विषय है और फ्रांस इस अपेक्षाकृत नए उद्यम में भारत का पसंदीदा भागीदार है। अभ्यास डेजर्ट नाइट 2022 में भारत, फ्रांस और संयुक्त अरब अमीरात के बीच वरिष्ठ अधिकारियों की त्रिपक्षीय "फोकल प्वाइंट मीटिंग" से शुरू हुआ। समुद्री सुरक्षा, मानवीय सहायता, आपदा राहत, नीली अर्थव्यवस्था, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, ऊर्जा पर दृष्टिकोण के आदान–प्रदान के रूप में शुरू हुआ और खाद्य सुरक्षा दो साल से भी कम समय में एक मजबूत राजनयिक पहल के रूप में विकसित हुई है। यूएई एकमात्र ऐसा देश नहीं है जिसके साथ भारत और फ्रांस संयुक्त रूप से आम भलाई के लिए संसाधनों की त्रिपक्षीय पूलिंग की मांग कर रहे हैं। ऐसी ही एक कोशिश इन दोनों देशों ने ऑस्ट्रेलिया के साथ शुरू की थी. लेकिन कैनबरा द्वारा परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियां हासिल करने के लिए पेरिस के साथ 50 अरब डॉलर का सौदा रद्द करने के बाद इसमें बाधाएं आईं। हालाँकि, ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस द्वारा सौदे पर अपना विवाद सुलझाने के 10 दिनों के भीतर, भारत, फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया संयुक्त अरब अमीरात के समान "फोकल प्वाइंट मीटिंग" के लिए बैठे। पिछले साल बैस्टिल डे परेड में सम्मानित अतिथि के रूप में मोदी को आमंत्रित किए जाने और मैक्रॉन की वापसी यात्रा के बाद इसी तरह के सम्मान के लिए, भारत–फ्रांस संबंधों में "आसमान ही सीमा है" वाली कहावत का उपयोग करना अतिश्योक्ति नहीं होगी। व्यक्तिगत केमिस्ट्री इस द्विपक्षीय रिश्ते के भारत की सबसे महत्वपूर्ण विदेश नीति प्राथमिकताओं में से एक बनने का कारण है।

इमरान खान की पीटीआई को स्वतंत्र रूप से प्रचार

लोकेश

पाकिस्तान में आज मतदान हो रहा है. कई महीनों तक किसी को यकीन नहीं था कि चुनाव होगा या नहीं. यह अनिश्चितता कई कारणों से थी। उनमें से एक इस तथ्य से संबंधित है कि जनवरी 2023 में इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ द्वारा दोनों प्रांतीय विधानसभाओं को भंग करने के बाद 90 दिनों के भीतर संवैधानिक प्रावधान के अनुसार पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में चुनाव नहीं हुए थे। कार्यवाहक समूह पिछले एक साल से अधिक समय से पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा पर शासन कर रहा है। राष्ट्रपति आरिफ अल्वी और पाकिस्तान के मुख्य चुनाव आयुक्त के बीच 8 फरवरी, 2024 की तारीख पर सहमति बनने के बाद सुप्रीम कोर्ट अंततः नवंबर 2023 में आम चुनाव की तारीख तय करने में सक्षम हुआ। हालाँकि, यह चुनाव विभिन्न कारणों से विवादास्पद हो गया है। कुछ क्षेत्रों में आतंकवादी खतरों के साथ–साथ हिंसा की भी संभावना है (बलूचिस्तान में दो उम्मीदवारों के चुनाव कार्यालयों में बम विस्फोटों में 20 से अधिक लोग मारे गए हैं)। चुनावों के लिए पाकिस्तान चुनाव आयोग द्वारा लगभग 51: मतदान केंद्रों को 'संवेदनशील' के रूप में वर्गीकृत किया गया है। पिछले हफ्ते, सेना के शीर्ष अधिकारियों ने आम चुनाव को बाधित करने के किसी भी प्रयास के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी की थी। कई लोग सोच रहे हैं कि नतीजे क्या होंगे और क्या वे विश्वसनीय होंगे, यह देखते हुए कि इमरान खान की पीटीआई को स्वतंत्र रूप से प्रचार करने की अनुमति नहीं दी जा रही है। इसके अलावा, इमरान खान को एक के बाद एक तीन अलग–अलग मामलों – सिफर मामला, तोशखाना मामला और इद्दत्अवैध विवाह मामले दृ में जेल की सजा सुनाई गई। विश्लेषकों का कहना है कि हालांकि इन फैसलों को चुनौती देने पर उच्च न्यायालयों में बरकरार नहीं रखा जाएगा क्योंकि उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया है, लेकिन तीन मामलों में इमरान खान और यहां तक कि बाद के दो मामलों में उनकी पत्नी को भी जेल की सजा का त्वरित उत्तराधिकार का मतलब है कि यह स्पष्ट है पीटीआई के लिए संदेशरू इमरान खान स्वीकार्य नहीं हैं और वह वापसी नहीं करने जा रहे हैं, कम से कम अभी तो नहीं। पाकिस्तान में, हमने यह पहले भी देखा हैरू चुनाव से पहले राजनीतिक नेताओं को सलाखों के पीछे डाल दिया जाता है। हालांकि, कुछ लोगों का कहना है कि इस बार मामला अलग है. शब्द यह है कि एक 'बांग्लादेश मॉडल' होगा जिसमें इमरान खान खालिदा जिया की तरह कैद में रहेंगे, जबकि जो भी सरकार बनाएगा उसे बिना किसी व्यवधान के काम करने की अनुमति दी जाएगी। इस बार भविष्यवाणी यह है कि नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज सरकार बनाएगी, लेकिन यह छोटी पार्टियों के साथ गठबंधन सरकार हो सकती है। कुछ लोगों का कहना है कि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी गठबंधन का हिस्सा हो सकती है, जबकि अन्य का मानना है कि यह विपक्ष में होगी क्योंकि पीटीआई अस्तित्व की लड़ाई का सामना कर रही है। हालाँकि, पीटीआई को आज भारी मतदान की उम्मीद है और उसका नारा है 'जुल्म का बदला वोट से' (वोट के माध्यम से अन्याय के खिलाफ बदला)। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी के खत्म होने से कई पीटीआई मतदाता निराश हो जाएंगे और वोट देने नहीं आएंगे क्योंकि उन्हें लगता है कि चुनाव में उनकी पार्टी के खिलाफ धांधली हुई है। लेकिन पीटीआई को अब भी 'आश्चर्य' की उम्मीद है. जबकि विश्लेषकों का कहना है कि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं होगा दृ 2018 में सर्वेक्षण भी नहीं था दृ यह सुझाव देना कि यह केवल स्वतंत्र और निष्पक्ष होगा यदि पीटीआई जीत जाएगी, भी सही नहीं है। हाल के सर्वेक्षणों से पता चला है कि पीएमएल–एन ने पिछले कुछ महीनों में पंजाब में लोकप्रियता हासिल की है। राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि मतदाता यह भी देखते हैं कि हवा का रुख किस तरफ है और वे उसी के अनुरूप वोट करते हैं। इसके अलावा, विश्लेषकों का कहना है कि सिर्फ इसलिए कि पीटीआई और इमरान खान लोकप्रिय हैं इसका मतलब यह नहीं है कि पाकिस्तान के सबसे अनुभवी राजनेताओं में से एक नवाज शरीफ अलोकप्रिय हैं। उनके पास अपना एक बड़ा वोटबैंक है. शरीफ ने पीएमएल–एन का राजनीतिक अभियान काफी देर से शुरू किया – चुनाव से कुछ हफ्ते पहले – लेकिन पंजाब प्रांत में उनकी रैलियां बहुत बड़ी रही हैं। कई लोगों का मानना है कि अगर आज के चुनाव के बाद उनकी पार्टी सरकार बनाती है तो वह चौथी बार प्रधानमंत्री बन सकते हैं। कुछ लोग कहते हैं कि वह अपने भाई शहबाज को प्रधानमंत्री पद देंगे और वह चाहते हैं कि उनकी बेटी मरियम नवाज शरीफ पंजाब की मुख्यमंत्री बनें। ये, जाहिर है, अटकलें हैं और सब कुछ पीएमएल–एन द्वारा जीती गई सीटों की संख्या पर निर्भर करेगा, स्वतंत्र, पीटीआई से जुड़े उम्मीदवार कितनी सीटें जीतते हैं और अगर वे पीटीआई से जुड़े नहीं रहते हैं तो वे किस पार्टी में शामिल होते हैं, साथ ही साथ पीपीपी और छोटी पार्टियों द्वारा जीती गई सीटों की संख्या पर। निस्संदेह, असली युद्ध का मैदान पंजाब है जहां बहुमत सीटें हैं। जो भी पंजाब जीतेगा, संभवतः अगली सरकार उसी की बनेगी। ये हमें अगले 24 घंटे में पता चल जाएगा। हालाँकि इस सब में जो महत्वपूर्ण है वह यह है कि जो भी सरकार बनाएगा उसे पाकिस्तान को उपचार देना होगा। 'प्रोजेक्ट इमरान' के लॉन्च और इसकी शानदार विफलता के बाद, पाकिस्तान के समाज को सबसे खराब प्रकार के ध्रुवीकरण का सामना करना पड़ा है। जैसा कि एक सहकर्मी का कहना है, यह राजनीतिक इंजीनियरिंग नहीं बल्कि सोशल इंजीनियरिंग की गई थी। इमरान खान को लॉन्च करने की पूरी योजना की लागत गंभीर थी।

वैश्विक क्रेडिट रेटिंग सीढ़ी पर चढ़ने का रास्ता

आदित्य

भारत के लिए, वर्ष 2024 की शुरुआत एक सुप्रसिद्ध क्रेडिट रेटिंग एजेंसी फिच द्वारा एक निराशाजनक नोट पर हुई, जिसने देश को स्थिर दृष्टिकोण के साथ 'बीबीबी–' की संप्रभु क्रेडिट रेटिंग प्रदान की। यह रेटिंग, जिसे तकनीकी रूप से दीर्घकालिक विदेशी–मुद्रा जारीकर्ता डिफॉल्ट रेटिंग कहा जाता है, महत्वपूर्ण महत्व रखती है क्योंकि यह फिच, मूडीज और एसएंडपी जैसी स्वतंत्र संस्थाओं द्वारा किसी देश की साख का मूल्यांकन है। जबकि बीबीबी– को 'निवेश ग्रेड' के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जो बीबी से सिर्फ एक पायदान ऊपर है, जो कि जंक बॉन्ड का दर्जा है, रेटिंग ने भारत के मजबूत विकास प्रक्षेपवक्र और सबसे तेज क्षेत्रों में से एक के रूप में इसकी पहचान को देखते हुए विभिन्न क्षेत्रों में आश्चर्य, निराशा और यहां तक कि गुस्सा भी पैदा किया है। बढ़ते राष्ट्र. उच्च संप्रभु क्रेडिट रेटिंग किसी देश के अहंकार को बढ़ावा देने से कहीं आगे तक जाती है। वे निवेशकों के विश्वास के संकेतक के रूप में काम करते हैं, किसी देश के ऋण में निवेश से जुड़े जोखिमों की जानकारी देते हैं, जिससे संकेत मिलता है कि अधिक पैसा डालना है या निकालना है। ये रेटिंग प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को आकर्षित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐसी रेटिंग से जुड़ा क्रेडिट जोखिम भविष्य में सरकार द्वारा अपने ऋण पर चूक करने की संभावना को दर्शाता है। नतीजतन, खराब क्रेडिट रेटिंग न केवल सरकार के लिए बाहरी उधार की लागत बढ़ाती है, बल्कि निजी निगमों के लिए अनुकूल दरों पर ऋण सुरक्षित करना भी चुनौतीपूर्ण बना देती है। इस प्रकार, हालांकि आत्मविश्वास का मुखौटा अपनाना स्वीकार्य लग सकता है, भारत को क्रेडिट रेटिंग सीढ़ी पर चढ़ने के लिए व्यापक आर्थिक, संरचनात्मक और राजनीतिक चुनौतियों का सामना करना होगा। 2023–24 में भारत की जीडीपी वृद्धि 7.3 प्रतिशत अनुमानित है, जो सरकार के पूंजीगत व्यय पर निर्भर है। इस निर्भरता से राजकोषीय घाटा बढ़ने का खतरा है, जो 2022–23 में 9.2 प्रतिशत (सामान्य सरकारी घाटा) पर चिंताजनक रूप से उच्च था। इसे संबोधित करने के लिए या तो खर्च पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है, विशेष रूप से पूंजीगत व्यय पर, या वैकल्पिक राजस्व–सृजन तंत्र का सहारा लेने की। निजी निवेश को पुनर्जीवित करने पर ध्यान देने की जरूरत है, जो कमजोर बना हुआ है, जैसा कि घटती सकल घरेलू निवेश दरों और औद्योगिक उत्पादन सूचकांक या आईआईपी की सुस्त वृद्धि से पता चलता है। महामारी के कारण कमजोर आधार प्रभाव के कारण आईआईपी की औसत वृद्धि 2014–15 और 2018–19 के बीच मामूली 4 प्रतिशत से बढ़कर 2021–22 में 11.4 प्रतिशत हो गई, लेकिन 2022–23 में यह गिरकर 5 प्रतिशत हो गई। सकल घरेलू निवेश दर भी 2014–15 के 33.1 प्रतिशत से गिरकर 2021–22 में 31.4 प्रतिशत हो गई। पूरे 2022–23 में मुद्रास्फीति ऊंचे स्तर पर बनी रही, मुख्य मुद्रास्फीति 2022 के अंत में 6 प्रतिशत से घटकर दिसंबर 2023 में 3.7 प्रतिशत हो गई। हालांकि, हेडलाइन मुद्रास्फीति अस्थिर रही, पूरे 2022–23 में 6 प्रतिशत की मनोवैज्ञानिक रूप से सुरक्षित ऊपरी सीमा को लगातार तोड़ती रही। इससे क्रय शक्ति कम हो गई है, उपभोग व्यय का हिस्सा 2021–22 में 61.1 प्रतिशत से घटकर 2023–24 में 60.9 प्रतिशत हो गया है, जिससे सकल घरेलू बचत और निजी निवेश खतरे में पड़ गया है। मजबूत राजस्व संग्रह के बावजूद, आसन्न चुनाव एक बड़ी चुनौती पेश करते हैं, क्योंकि राज्य सरकारें मतदाताओं को उदारता देने की होड़ में हैं। भारत के समकक्ष देशों

की तुलना में घाटे और ऋण अनुपात में परिणामी वृद्धि क्रेडिट रेटिंग में सुधार के लिए एक बड़ी बाधा उत्पन्न करती है, क्योंकि ये ऐसी तुलनाओं पर आधारित हैं। इसके अलावा, सरकार के कुल व्यय के सापेक्ष उच्च ब्याज भुगतान, ऐसे उच्च घाटे के कारण, आर्थिक मंदी की स्थिति में बढ़े हुए खर्च और घाटे के माध्यम से अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए बहुत कम राजकोषीय स्थान छोड़ते हैं। एक और महत्वपूर्ण चुनौती देश की व्यापार गतिशीलता और बाहरी क्षेत्र की कमजोरियाँ हैं। अपनी निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और व्यापार संबंधों में विविधता लाने के भारत के महत्वाकांक्षी प्रयासों के बावजूद, व्यापार घाटा चिंता का विषय बना हुआ है। लगातार व्यापार असंतुलन, मुद्रा मूल्यह्रास जोखिम और अस्थिर पूंजी प्रवाह पर निर्भरता जैसी कमजोरियों के साथ मिलकर, एक अनुकूल क्रेडिट रेटिंग प्रक्षेपवक्र को बनाए रखने के लिए चुनौतियां पैदा करता है।

पुस्तकों का मेला क्यों है अलबेला

ललित

इंसान की जिंदगी में विचारों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है। वैचारिक क्रांति एवं विचारों की जंग में पुस्तकें सबसे बड़ा हथियार है। लेकिन यह हथियार जिसके पास हैं, वह जिंदगी की जंग हारेगा नहीं। जब लड़ाई वैचारिक हो तो पुस्तकें हथियार का काम करती हैं। पुस्तकों का इतिहास शानदार और परम्परा भव्य रही है। पुस्तकें मनुष्य की सच्ची मार्गदर्शक हैं। पुस्तकें सिर्फ जानकारी और मनोरंजन ही नहीं देती बल्कि हमारे दिमाग को चुस्त–दुरुस्त रखती हैं। आज डिजिटलीकरण के समय में भले ही पुस्तकों की उपादेयता एवं अस्तित्व पर प्रश्न उठ रहा हो लेकिन समाज में पुस्तकें पुनः अपने सम्मानजनक स्थान पर प्रतिष्ठित होंगी, इसमें कोई संदेह नहीं है। पुस्तकों पर छाये धुंधलकों को दूर करने के लिये एवं पुस्तक की प्रासंगिकता को नये पंख देने की दृष्टि से लेखक, पुस्तक प्रेमी और प्रकाशकों का 'महाकुंभ' यानी नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2024 का आयोजन 10 से 18 फरवरी के बीच दिल्ली के प्रगति मैदान में हो रहा है। इस बार पुस्तक मेले की थीम 'बहुभाषी भारत एक जीवंत परंपरा' रखी गई है। हर साल की तरह इस साल भी मेले का स्वरूप काफी बड़ा होगा, जहां हिंदी, इंग्लिश के अलावा क्षेत्रियों भाषाओं की किताबें देखने को मिलेंगी वहीं देश–विदेश के 1500 से अधिक प्रकाशक पुस्तक मेले में भाग लेंगे। इस बार अतिथि देश के रूप में सऊदी अरब का चयन किया गया है। 51 साल से चल रहे पुस्तक मेले का आयोजक नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) है। विश्व पुस्तक मेला अपनी उपयोगिता एवं प्रासंगिकता को लेकर प्रश्नों के घेरे में हैं। पुस्तक मेले पर धार्मिकता एवं साम्प्रदायिकता का संकीर्ण घेरा बनना चिन्ता का विषय है। साहित्यकारों से अधिक धर्मगुरुओं, पोंगा–पंडितों, ज्योतिषियों–तांत्रिकों का वर्चस्व बढ़ना मेले के वास्तविक उद्देश्य से भटकाता है। मेले के दौरान प्रकाशकों, धार्मिक संतों, विभिन्न एजेंसियों द्वारा वितरित की जाने वाली निशुल्क सामग्री भी एक आफत है। यह बात दीगर है कि इस दौरान प्रगति मैदान के खाने–पीने के स्टॉल पर पुस्तक की दुकानों से अधिक बिक्री होती है। पार्किंग, मैदान के भीतर खाने–पीने की चीजों के बेतहाशा दाम, जिनसे यदि निजात पा लें, तो सही मायने में विश्व पुस्तक मेला, विश्व स्तर का होगा। मेले की संरचना में खामियों का ही परिणाम है कि मेले में पाठकों की संख्या घटी है और उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ी है। लोग यहां किताबें खरीदने के बजाय उत्पाद खरीदने आ रहे हैं। इसीलिए कोई अपने बच्चे की अंग्रेजी सुधारने के लिए किताब खरीद रहा है तो कोई पेट की चर्बी कम करने के लिए किताब या पाउडर खरीद रहा है। इन सभी कारणों से उपभोक्तावाद को बढ़ावा देने वाले साहित्य की लोकप्रियता बढ़ी है जबकि फिक्शन, नॉन–फिक्शन और जीवन मूल्यों से जुड़ी किताबों की मांग कम हुई है। पिछले कुछ वर्षों से मेले का रंग बहुत बदल गया है। अब यहां कोई सार्थक बहस नहीं होती, जैसी पहले हुआ करती थी। आज समस्या पठनीयता की नहीं, बल्कि उपलब्धता की है। पुस्तक मेले में ऐसी सार्थक चर्चाएं हो और सकारात्मक वातावरण बनाया जाये ताकि पुस्तकों की अधिक से अधिक लोगों तक पहुँच हो जाए। इसके लिए जरूरी है कि ऐसी जनजागरूकता पैदा कि जाये ताकि अच्छी किताबों की घरेलू या सार्वजनिक लाइब्रेरी तक पहुंच सुनिश्चित हो सके। यह एक चुनावी मुद्दा भी बनना चाहिए और चुनाव के दौरान मतदाताओं को अपने प्रतिनिधि से गुडलाइब्रेरी खोलने की मांग करनी चाहिए। अस्पतालों, होटलों, रेल्वे स्टेशनों में पुस्तकालय स्थापित किये जा सकते हैं ताकि वहां आने वाले लोगों का खाली समय का उपयोग मानसिक एवं बौद्धिक विकास में हो सके।वैश्वीकरण के दौर की हर चीज बाजार बन गयी है, लेकिन पुस्तकें– खासकर हिंदी की अभी इस श्रेणी से दूर हैं। पिछले कुछ वर्षों से पुस्तक मेला पर बाजार का असर दिख रहा है। पुस्तकों के स्वत्वाधिकार के आदान–प्रदान के लिए दो दिन 'राइट्स टेबल' का विशेष आयोजन होता है। असल में पुस्तक भी इंसानी प्यार की तरह होती हैं जिससे जब तक बात न करो, रूबरू न हो, हाथ से स्पर्श न करो, अपनत्व का अहसास देती नहीं है। फिर तुलनात्मकता के लिए एक ही स्थान पर एक साथ इतने सजीव उत्पाद मिलना एक बेहतर विपणन विकल्प व मनोवृत्ति भी है। हालांकि यह पुस्तक मेला एक उत्सव की तरह होता है, जहां पुस्तक का व्यापार मात्र नहीं, कई तरह के समागम होते हैं। विश्व पुस्तक मेला में आये पुस्तक प्रेमियों की संख्या से पता चलता है कि किताबों के प्रति लोगों की रुचि बरकरार है। विदेशी मंडप में भले ही अधिकांश पुस्तकें केवल प्रदर्शन के लिए होती हैं, लेकिन गंभीर किस्म के लेखक इनसे आइडिया का सुराख लगाते दिखते हैं। थीम पवेलियन हर समय आम लोगों के आकर्षण का केंद्र रहता है। बच्चों की नैसर्गिक रचनात्मक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए बाल मंडप एक महत्वपूर्ण आकर्षण होता है। जाहिर है, पुस्तक मेला में दिल व दिमाग, दोनों पुस्तक के साथ धड़कते–मचलते हैं, तभी तो यह मेला नहीं है, पुस्तकों का वसंतोत्सव है। पुस्तकें पढ़ने का कोई एक लाभ नहीं होता। पुस्तकें मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं तथा सोचने समझने के दायरे को बढ़ाती हैं। पुस्तकें नई दुनिया के द्वार खोलती हैं, दुनिया का अच्छा और बुरा चेहरा बताती, अच्छे बुरे की तमीज पैदा करती हैं, हर इंसान के अंदर सवाल पैदा करती हैं और उसे मानवता एवं मानव–मूल्यों की ओर ले जाती हैं। मनुष्य के अंदर मानवीय मूल्यों के भंडार में वृद्धि करने में पुस्तकों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। ये पुस्तकें ही हैं जो बताती हैं कि विरोध करना क्यूँ जरूरी है। ये ही व्यवस्था विरोधी भी बनाती हैं तो समाज निर्माण की प्रेरणा देती है।

बाबा साहब भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय सिद्धीकपुर में आयोजित हुआ कार्यक्रम

देश की उपासना
धनन्जय विश्वकर्मा
क्राईम रिपोर्टर

जौनपुर। बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय सिद्धीकपुर में छात्र छात्राओं को स्मार्टफोन का वितरण किया गया। स्मार्ट फोन से छात्रों को अपनी पढ़ाई लिखाई ऑनलाइन करने पर जागरूक किया गया। बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय सिद्धीकपुर में स्नातक के छात्र छात्राओं को स्मार्टफोन वितरण के लिए प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री के प्रतिनिधि भाजपा नेता अजय सिंह खर्चू मुख्य अतिथि के रूप में कुल सवा सौ छात्र और छात्रों को स्मार्टफोन का वितरण किया। उन्होंने कहा कि छात्र स्मार्ट फोन के तकनीकी दुनिया में अपने को निखार सकते हैं। स्मार्टफोन से ऑनलाइन पढ़ाई कर वह जीके व पठन–पाठन की पढ़ाई कर सकते हैं। जिससे वह अपने प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार कर सकें । मौके पर सवा सौ छात्र छात्राओं को स्मार्टफोन का वितरण किया गया। स्मार्टफोन वितरण के दौरान नोडल अधिकारी स्मार्ट फोन डॉ राकेश कुमार सरोज, उमेश कुमार सरोज, संरक्षक मोखनराम, प्रबंधक डॉ स्वतंत्र कुमार स्मार्टफोन के सदुपयोग के बारे में छात्र–छात्राओं को जानकारी दी। इस अवसर पर वंदना सिंह, आरती, ममता नंदिनी, श्रवण कुमार ,आनंद मौर्य, इंद्रलाल, रविकुमार, लालचंद मौजूद रहे।

जनता से टैक्स को लेकर मोदी सरकार बनाती है प्रचार की होर्डिंग – अमित

देश की उपासना
क्राईम रिपोर्टर
धनन्जय विश्वकर्मा

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के छबीलेपुर बाजार में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशन में सपा कार्यकर्ताओं ने जन पंचायत का आयोजन किया। जिसमें लोगों को जागरुक करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार जनता से टैक्स को हजम कर रही है और वह उनके पैसो को चुनाव प्रचार में खर्च कर रही है।

जानकारी के अनुसार छबीलेपुर बाजार में बृहस्पतिवार को सपा के नेता अमित यादव के नेतृत्व में पीडीए जन पंचायत का आयोजन किया गया। जिसमें सपा नेता अमित यादव ने कहा कि बीजेपी सरकार का बुलडोजर कानून और लंगड़ा बनाओ अभियान पीडीए के खिलाफ संवैधानिक है ।यह गरीबों पिछड़ों दलितो को मुठभेड़ में दिखाकर हाफ एनकाउंटर कर रही है। सपा नेता अमित यादव ने कहा कि जनता से टैक्स लेकर यह भाजपा सरकार अपने प्रचार प्रसार अभियान में खर्च कर रही है और लोकसभा चुनाव जनता के पैसे पर लड़ने की तैयारी कर रही है। जो बेहद और गलत और शर्मनाक है। इसके खिलाफ सबको आगे आना होगा ।वर्तमान मोदी योगी सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़नी होगी। इस अवसर प सपा नेता सुशील चंद दुबे, सत्येंद्र यादव, रामजस यादव , भीम यादव ,जितेंद्र यादव, कमाल अंसारी, राजकुमार , नन्हकू निषाद , रतीलाल कनौजिया ,रामचरित्र गौतम ,गोवर्धन पाल रविनाथ पाल मौजूद रहे।

400 सीट जीतकर एक बार फिर नरेंद्र मोदी पुनः बनेंगे प्रधानमंत्री - नरेंद्र उपाध्याय

–भाजपा किसान मोर्चा द्वारा 12 फरवरी से आयोजित की जाएगी ग्राम परिक्रमा यात्रा।

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा द्वारा आगामी 12 फरवरी से ग्राम परिक्रमा यात्रा का शुभारंभ किया जा रहा है साथ ही सरकार द्वारा चलाई जा रही तमाम योजनाओं को जनता को बताते हुए उनको लाभान्वित करने का प्रयास किया जा रहा है जिससे सरकार की योजनाएं समाज की अंतिम पायदान तक पहुंच सके, सबका साथ सबका विकास के मजबूत इरादे से सत्ता में आयी हमारी भाजपा सरकार के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में देश की जनता के लिए अनेक कल्याणकारी कार्य किये गये, हर पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक को लाभान्वित किये जाने का प्रयास किया जा रहा है, भाजपा के लिए जो भी योजनाये लायी प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचना सिर्फ एक चुनावी वादा नहीं है एक संकल्प है, किसान सम्मान निधि,किसान बीमा योजना, पीएम आवास योजना,जल जीवन मिशन और आयुष्मान भारत जैसी अनेक योजनाएं इस बात की साक्षी है कि मोदी सरकार अंत्योदय के सिद्धांत को समर्पित है उक्त बातें भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष नरेंद्र उपाध्याय ने डाक बंगले में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, साथ ही उन्होंने कहा कि आने वाले 20–25 वर्ष भारत के विकास की यात्रा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है जो 2047 में शताब्दी वर्ष में पूरी होगी। हमारा देश एक कृषि प्रधान देश है और भारतीय अर्थव्यवस्था में किसानों का अहम योगदान है इसलिए प्रधानमंत्री जी का मानना है कि विकसित भारत के तहत हमारे किसान और मजदूर भाई रखेंगे उन्होंने केंद्र की तमाम बड़ी उपलब्धियां को गिनाते हुए बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के द्वारा लगभग 4 करोड़ किसान परिवारों को पक्का मकान मिला है जल जीवन मिशन के तहत करोड़

घरों में जल आपूर्ति की जा रही है मोदी सरकार ने गांव में वह भारत मैं मोदी सरकार ने गांव और शहरों में सड़कों का जाल बिछा दिया है। जिससे लोगो को गांव से शहरों से जुड़ने में आसानी हुई है। किसानों के लिए तमाम तरह की योजनाएं चलाई जा रही है जिससे किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत किया जा सके बढ़ी हुई बिजली दर के बारे में उन्होंने कहा कि किसानों के लिए तमाम तरह की छूट भी दी जा रही है खाद बीज मैं भी छूट दिया जा रहा है गांव में 18 घंटे बिजली दी जा रही है जिससे किसानों को सिंचाई में कोई समस्या ना उत्पन्न हो जहां पूर्व की सरकारों में बिजली भी नहीं मिलती थी और लोगों को बिल भी देना पड़ता था वहीं हमारी सरकार में जितना बिजली दिया जा रहा है उसके सापेक्ष बिजली का बिल कम है साथ ही श्री उपाध्याय ने बताया कि यात्रा का शुभारंभ 12 फरवरी को मुजफ्फरनगर के मां शाकुंभरी देवी मंदिर प्रांगण से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद राजकुमार चाहर द्वारा किया जाएगा वही जनपद में भी कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एलईडी स्क्रीन के माध्यम से किया जाएगा जिसको देखने के लिए किसानों को भी आमंत्रित किया जाएगा। किसान मोर्चा द्वारा गांव में चौपाल लगाकर गाय पूजन ट्रैक्टर व अन्य कृषि यंत्रों का पूजन करके इसकी शुरुआत की जाएगी यात्रा प्रत्येक जिले में प्रतिदिन पांच गांव में आयोजित की जाएगी। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उपाध्याय ने कहा कि इस बार पुनः नरेंद्र मोदी जी की सरकार बनेगी और हम 400 सीटे जीतकर पूर्ण बहुमत के साथ अपनी सरकार बनाएंगे।इस मौके पर किसान मोर्चा जिला महामंत्री इंद्रसेन सिंह, किसान मोर्चा उपाध्यक्ष नीरज मोर्य उपाध्यक्ष घनश्याम यादव, पिछड़ा मोर्चा जिला महामंत्री प्रमोद प्रजापति, अनुसूचित मोर्चा जिला महामंत्री निखिल सोनकर, किसान मोर्चा जिला मंत्री पंकज सिंह,पूर्व महामंत्री पवन शर्मा परशुरामपुर मंडल अध्यक्ष पुनीत मिश्र, मंडल महामंत्री भाजपा उमेश सिंह उपस्थित रहे।

अपशिष्ट पदार्थ के प्रयोग से उर्जा उत्पादन संभव - प्रो. ओमप्रकाश पाडेय

नैनोमेटेरियल बहुउपयोगी पदार्थ – डा. सत्येंद्र मिश्रा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित

प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एडवांसमेंट इन फंक्शनल मैटेरियल के दूसरे दिन, प्रथम सत्र में थापर अभियांत्रिकी संस्थान, लुधियाना पंजाब के प्रो. ओ.पी. पांडेय ने अपशिष्ट बहुल्कों के ऊर्जा के रूप में उपयोग विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि अपशिष्ट प्लास्टिक का उपयोग करके ट्रांजिशन मेटल कार्बाइड का निर्माण किया जा रहा है, कार्बाइड का उपयोग फाइटर जेट के कोटिग में किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अपशिष्ट प्लास्टिक से बने ट्रांजिशन मेटल कार्बाइड अधिक ताप पर भी पूरी दक्षता के साथ कार्य कर सकते है। प्लास्टिक अपशिष्ट से ट्रांजिशन मेटल कार्बाइड का निर्माण पर्यावरण अनुकूल है। इसी वार्ता के अगले क्रम में उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय जलगांव, महाराष्ट्र के प्रो. सत्येंद्र मिश्रा ने नैनो सामग्री के उपचार की उभरते हुए प्रवृत्ति पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस तकनीक का उपयोग करके नैनो जनरेटर का निर्माण किया जा रहा है जिसका उपयोग स्मार्टफोन, विद्युत उपकरण, सुरक्षा उपकरणों में किया जा सकता है। ऑनलाइन सत्र में जॉर्जिया टेक फ्रांस के प्रो निको एफ डिक्लेरिक ने अल्ट्रासोनिक शोध के ऊपर अपना व्याख्यान दिया।

इसी क्रम में सेलेंटो विश्वविद्यालय, इटली के पैरिजिया बोचेट्टा ने अल्युमिनियम आधारित अपशिष्ट का ऊर्जा संचालक के रूप में उपयोग करने पर प्रकाश डाला। साउथ डेनमार्क विश्वविद्यालय के प्रो. योगेन्द्र कुमार मिश्रा ने ऑनलाइन माध्यम से आधुनिक तकनीकी के लिए टेट्रापॉड्स आधारित स्मार्ट मटेरियल के ऊपर प्रकाश डाला। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो राजाराम यादव ने किया। इस इस अवसर पर प्रो. मिथिलेश सिंह प्रो. देवराज सिंह, डॉ. गिरिधर मिश्रा, डॉ. पुनीत धवन डॉ. अजीत सिंह, डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. सुजीत चौरसिया डॉ. श्रवण कुमार डॉ. दिनेश कुमार वर्मा, डॉ. आलोक कुमार वर्मा उपस्थित थे। सम्मेलन के द्वितीय सत्र में पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। आयोजित प्रदर्शनी में देश के विभिन्न विश्वविद्यालय से आए हुए छात्रों, शोध छात्रों एवं वैज्ञानिकों ने अपने–अपने शोध कार्यो को पोस्टर के माध्यम से प्रस्तुत किया । पोस्टर प्रदर्शनी में क्रियात्मक सामग्री एवं बहुलक रसायन से संबंधित विभिन्न विषयों रसायन विज्ञान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग, डोपिंग मैटेरियल, हरित ऊर्जा रूपांतरण के लिए उन्नत इलेक्ट्रो हेटेरोकैटालिसिस कैटालिस्ट के निर्माण जैसे विषयों पर शोधार्थियों ने अपने शोध कार्यों का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर निर्णायक की भूमिका में प्रो. राजाराम यादव, प्रो. भुवनेश गुप्ता, डॉ युधिष्ठिर यादव, डॉ. प्रमोद कुमार यादव , डॉ. नितेश जायसवाल , डॉ. प्रमोद कुमार सहित विश्वविद्यालय के अन्य प्राध्यापक इस अवसर उपस्थित रहे।

25 हजार इनामी लुटेरा और गो तस्कर गिरफ्तार

जौनपुर, संवाददाता। जिले की जलालपुर, मुंगराबादशाहपुर, मीरगंज पुलिस की मंगलवार की रात बदमाशों से अलग–अलग मुठभेड़ हुई। इसमें 25 हजार का इनामी लुटेरा और अंतरजनपदीय गो तस्कर को गिरफ्तार किया गया, जबकि एक बदमाश फरार हो गया। दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी है। उनके पास से नकदी, तमंचा व बाइक बरामद की गई। पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। प्रभारी निरीक्षक मुंगराबादशाहपुर संजय वर्मा मंगलवार की रात टीम के साथ भ्रमण कर प्रभारी निरीक्षक मीरगंज देवानंद रजक के साथ बातचीत कर रहे थे। तभी मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ अपराधी गरियांव से मुंगराबादशाहपुर की तरफ आ रहे हैं। इस पर पुलिस टीम ने नीभापुर रेलवे क्रासिंग के पास घेराबंदी कर दी। इसी बीच तभी एक बाइक पर दो लोग आते दिखे। पुलिस ने रोकने का प्रयास किया उन्होंने गोली चला दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश पैर में गोली लगने से गिर गया जबकि दूसरा बदमाश फरार हो गया। घायल बदमाश ने अपना नाम अली हुसैन उर्फ अमन (32) निवासी नरगहना, थाना पंवारा बताया। उसके पास से 315 बोर का तमंचा, तीन कारतूस, दो खोखे, चोरी की बाइक, दो मोबाइल और 17 हजार रुपये नकद बरामद हुए। थानाध्यक्ष संजय वर्मा ने बताया कि पकड़े गए बदमाश पर कई जनपदों में गो तस्करी समेत मुकदमे दर्ज हैं। जलालपुर रू पुलिस ने गैंगेस्टर एक्ट के 25 हजार रुपये के इनामी लुटेरे दिनेश कुमार सोनकर निवासी मझगंवाकला थाना जलालपुर को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया। जलालपुर के प्रभारी निरीक्षक राजेश यादव को रात में सूचना मिली कि शातिर लुटेरा असबरनपुर पुलिया अंडरपास से मकरा बाजार, त्रिलोचन होते हुए अपने घर जाएगा। इस पर पुलिस टीम ने असबरनपुर पुलिया अंडरपास के पास घेराबंदी कर दी। कुछ देर बाद एक बुलेट को पुलिस ने रोका तो वह जौनपुर की तरफ भागने लगा। पुलिस ने दौड़ाया तो बदमाश ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग में बदमाश के दाएं पैर में गोली लगी और वह गिर पड़ा। घायल बदमाश को जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। प्रभारी निरीक्षक राजेश यादव ने बताया कि उसके कब्जे से एक तमंचा, दो कारतूस, दो मोबाइल व एक बुलेट बरामद हुई है। उस पर विभिन्न जिलों में 13 मुकदमें दर्ज हैं।

मेडिकल टेक्नोलाजी में अपोलोमेडिक्स हास्पिटल की उल्लेखनीय उपलब्धि, एआई आधारित 3डी प्रिंटिंग से बनाया मरीज का जबड़ा

–अस्पताल ने क्षेत्र में पहली बार जबड़े की हड्डी के पुनर्निर्माण के लिए एआई आधारित 3डी प्रिंटिंग की शुरुआत की।

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उल्लेखनीय चिकित्सा उपलब्धि हासिल करते हुए लखनऊ के अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल्स ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक और 3डी प्रिंटिंग का उपयोग करके अमेलोब्लास्टोमा मेडिबल नामक जबड़े के ट्यूमर का सफल इलाज किया है। इस इलाज में डॉक्टरों ने न केवल जबड़े के ट्यूमर का सफल इलाज किया बल्कि जबड़े का पुनर्निर्माण भी कर दिया। 50 वर्षीय मरीज इस सफल सर्जरी के बाद सामान्य जीवन व्यतीत कर रहा है। इस सर्जरी प्रक्रिया का लखनऊ और आसपास के क्षेत्र में पहली बार उपयोग किया गया। गरीज जबड़े में दर्द और खाने में होने वाली असुविधा की शिकायत के साथ अपोलोमडिक्स अस्पताल की ओपीडी पहुंचा था। गहन जांच और स्कैन के बाद, इलाज के लिए सर्जिकल ऑन्कोलॉजी में सलाहकार डॉ. सतीश के आनंदन के नेतृत्व में मेडिकल टीम ने जबड़े और जोड़ के पूरे बाएं हिस्से को हटाने की आवश्यकता बताई। इतना बड़ा और जरूरी हिस्सा चेहरे से हटाने की बात पर मरीज को इस बात की चिंता थी कि क्या वो ठीक से खा–पी पाएगा और उसका चेहरा कैसा दिखेगा? अस्पताल में डॉक्टर्स के पैनल ने विचार विमर्श के बाद डॉ. सतीश के आनंदन द्वारा ट्यूमर को हटाने और फिर जबड़े के पुनर्निर्माण का जटिल प्रक्रिया को अपनाने का निर्णय लिया। प्लास्टिक, कॉस्मेटिक एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी कंसल्टेंट डॉ. निखिल पुरी और एसोसिएट कंसल्टेंट डॉ. आशीष विलास उके ने इस रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और जबड़े को वापस सामान्य स्थिति में लाया गया। प्लास्टिक सर्जरी टीम ने मरीज और उसके परिवार से जबड़े की हड्डी के पुनर्निर्माण के बारे में बातचीत की। उन्होंने बताया कि कैसे एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित 3डी प्रिंटेड इम्प्लांट का इस्तेमाल करके हड्डी को फिर से बनाया जा सकता है। यह इम्प्लांट पूरी तरह से मरीज के हिसाब से बनाया गया था, ताकि यह हटाए गए हिस्से की एकदम सटीक प्रतिकृति हो सके। सर्जिकल ऑन्कोलॉजी टीम ने यह तय किया कि हड्डी को कहां से काटा जाएगा। इसके बाद, प्लास्टिक और रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी टीम ने कंप्यूटर की मदद से एक नया जबड़ा बनाया। यह नया जबड़ा हटाए गए जबड़े के आकार औरआकार से बिल्कुल मेल खाता था। पूरी सर्जरी की योजना कंप्यूटर की मदद से बनाई गई थी। ऑपरेशन के दौरान, डॉक्टरों ने इस योजना का बिल्कुल सटीक ढंग से पालन किया। पूरी प्रक्रिया में लगभग एक महीने का समय लगा। सर्जरी सफल रही और अब मरीज दर्द से मुक्त है। वह अब सामान्य रूप से खा और बोल सकता है। उसके चेहरे का आकार भी सामान्य हो गया है। सर्जिकल ऑन्कोलॉजी में कंसल्टेंट डॉ. सतीश के आनंदन ने जबड़े के ट्यूमर की जटिल सर्जरी पर अनुभव साझा करते हुए बताया, अमेलोब्लास्टोमा मेम्बिबल ने एक अनोखी चुनोती पेश की, जिसे सावधानीपूर्वक हटाने की आवश्यकता थी। हमारा ध्यान सिर्फ ट्यूमर के इलाज पर नहीं था बल्कि सर्जरी के बाद मरीज के जबड़े की सामान्य संरचनाओं और उसकी कार्यक्षमता सुनिश्चित करना भी था।

प्लास्टिक, कॉस्मेटिक और रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी में कंसल्टेंट डॉ. निखिल पुरी ने कहा, ष्हमारा ध्यान सिर्फ ट्यूमर को हटाना ही नहीं था, बल्कि सर्जरी के बाद मरीज के जबड़े की हड्डी को पहले जैसा काम करने लायक बनाना भी था। एआई आधारित 3डी प्रिंटिंग तकनीक का उपयोग रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लेकर आया है। यह हमें ट्रांसप्लांट को कस्टम डिजाइन करने की सुविधा देता है, जिससे मरीज के लिए एकदम सटीक अंग का पुनर्निर्माण संभव होता है। मरीज की अच्छी रिकवरी सुनिश्चित करती है। 3डी प्रिंटिंग की वजह से मरीज सर्जरी के बाद सामान्य जीवन जी सकते हैं। प्लास्टिक, कॉस्मेटिक और रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी में एसोसिएट कंसल्टेंट डॉ. आशीष विलास उके ने 3डी प्रिंटिंग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, ष्एआई आधारित 3डी प्रिंटिंग तकनीक ने रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के क्षेत्र में क्रांति ला दी है। यह तकनीक हमें मरीज के लिए कस्टम डिजाइन किए गए प्रत्यारोपण बनाने की सुविधा देती है, जिससे हम उनके लिए एकदम सटीक अंग का पुनर्निर्माण कर सकते हैं।ष यह मरीजों को जबड़े की हड्डी के पुनर्निर्माण के लिए एक नया विकल्प प्रदान करता है। पारंपरिक मुफ्त फाइबुला माइक्रोवास्कुलर सर्जरी में, पैर की हड्डी का एक हिस्सा काटकर जबड़े के पुनर्निर्माण के लिए इस्तेमाल किया जाता है। 3डी प्रिंटिंग के साथ, यह जरूरी नहीं है। अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स के एमडी और सीईओ डॉ. मयंक सोमानी ने अत्याधुनिक तकनीक को अपनाने के लिए अस्पताल की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला और कहा, ष्हमारा अस्पताल मेडिकल टेक्नोलॉजी के तेजी से विकसित हो रहे ट्रेंड के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए समर्पित है। एआई आधारित 3डी प्रिंटिंग जैसी एडवांस्ड टेक्नोलॉजी का प्रयोग इसी बात का प्रमाण है।

ग्रैंड मास्टर गौरव सिंह चौहान कुक्कीवोंन पिन से सम्मानित

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। अखिल भारतीय ब्लैक बेल्ट प्रमाणन, राष्ट्रीय रेफरी और कोच सेमिनार के सफल समापन के अवसर पर भारत में ताइक्वांडो के संस्थापक और ताइक्वांडो के पिता डॉ ग्रैंड मास्टर जिम्मी आर जगतियानी ने ग्रैंड मास्टर गौरव सिंह चौहान को भारत में ताइक्वांडो खेलों के योगदान और प्रचार के लिए और पिछले 3 दशकों से अधिक समय से मार्शल आर्ट के क्षेत्र में उनके समर्पण के लिए प्रतिष्ठित कुक्कीवोन पिन से सम्मानित किया।

साउथ कोरिया स्थित कुक्किवोन ताइक्वांडो का विश्व मुख्यालय है जो वैश्विक स्तर पर ताइक्वांडो से संबंधित हर चीज को नियंत्रित, विनियमित और लाइसेंस देता है। गौरव ने हमें बताया कि उन्होंने लगभग 5–6 साल की उम्र में अपनी मार्शल आर्ट की यात्रा शुरू की थी और तब से उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। गौरव अब तक 9 विभिन्न तरह की मार्शल सीख चुके हैं। ग्रैंड मास्टर गौरव वर्तमान में टी. एफ. आई. (भारतीय ताइक्वांडो महासंघ) में प्रचार विंग के चेयरमैन के रूप में कार्य कर रहे हैं और कल्कि आर्ट ऑफ सेल्फ डिफेंस द्वारा मिशन

स्व–रक्षा के संस्थापक भी हैं।

महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को समर्पित अपने मिशन के तहत ग्रैंड मास्टर गौरव ने भारत, रूस, नेपाल, थाईलैंड और कई अन्य देशों में 4,50,000 से अधिक महिलाओं और बच्चों को अकेले प्रशिक्षण दिया है। ग्रैंड मास्टर गौरव को उनकी महिलाओं और बाल सुरक्षा पहलों के लिए डिफेंस, N.C.C और कई अन्य देशों से कई पुरस्कारों और मान्यताओं से सम्मानित किया गया है और उन्हें 2022 में सर्वश्रेष्ठ आत्मरक्षा और कमांडो प्रशिक्षण मेंटर के टाइटल से भी सम्मानित किया गया है।ग्रैंड मास्टर गौरव को उनके कई सामाजिक कार्यों, पहलों और मानवता और विश्व शांति को बढ़ावा देने के लिए गौरव ह्यूमन के नाम से भी जाना जाता है और सोशल मीडिया और असल जीवन में वह इसी नाम और पहचान से जाने जाना पसंद करते हैं।

हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से सिक्योरिटी गार्ड की मौत हुई

बाराबंकी, संवाददाता। लखनऊ सुल्तानपुर हाईवे पर लोनीकटरा थाना क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई है। जबकि दूसरा घायल हो गया। लोनीकटरा थाना क्षेत्र केलदई का पुरवा गांव निवासी शैलेश उर्फ पिंटू (30) तहवापुर गांव निवासी अपने मित्र धर्मेंद्र कुमार के साथ लखनऊ के एक मॉल में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते थे। बृहस्पतिवार की सुबह ड्यूटी करके दोनों बाइक से लोनीकटरा की ओर लौट रहे थे। इस दौरान हाइवे पर छबील चौकी के पास किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से शैलेश की मौके पर ही मौत हो गई जबकि धर्मेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। बताते हैं कि सड़क हादसा होने के बाद काफी देर तक दोनों सड़क पर पड़े तड़पते रहे। सूचना मिलने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। धर्मेंद्र को लखनऊ की गोसाईगंज सीएचसी में भर्ती कराया गया है। थानाध्यक्ष लोनीकटरा अंकित कुमार त्रिपाठी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

कोयला भरी बोगी में लगी आग, मची अफरातफरी

हरदोई, संवाददाता। हरदोई जिले में स्थानीय स्टेशन पर झारखंड से कोयला लेकर पंजाब जा रही कोयला लदी मालगाड़ी की बोगी में आग लग गई। दमकल की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। करीब एक घंटा के बाद ट्रेन गंतव्य को रवाना हो सकी। स्टेशन अधीक्षक को 12रू50 मिनट पर सूचना मिली कि झारखंड से अमतृसर पंजाब जा रही मालगाड़ी की बोगी संख्या 46 से धुआं निकल रहा है। स्टेशन अधीक्षक ने फायर बिग्रेड को सूचना दी। मालगाड़ी की बोगी से हवा के कारण आग की लपटे निकलने लगी थी। आग शांत होने पर ट्रेन को 1रू57 मिनट पर मालगाड़ी को रवाना कर दिया गया। स्टेशन अधीक्षक नरसीलाल मीणा ने बताया कि करना स्टेशन से बोगी में धुएं की सूचना आई। जिस पर उसे करना में रोका गया था, वहां बेहतर संसाधन न होने के कारण स्थानीय स्टेशन पर लाया गया। मालगाड़ी के कारण पैसेंजर ट्रेन का संचालन प्रभावित नहीं हुआ है।

11 फरवरी को यूपी रोडवेज की 10 लग्जरी बसों से अयोध्या जाएंगे मंत्री और विधायक

अयोध्या (डीकेयू लाइव) ब्यूरो सुरेंद्र कुमार। योगी सरकार, उत्तर प्रदेश विधानसभा के समस्त सदस्यों को भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या धाम का दर्शन कराएगी। इसके लिए 11 फरवरी को परिवहन निगम की 10 सुपर लक्जरीध प्रीमियम बसें तैयार रहेंगी। योगी सरकार की ओर से उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक को बसों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है की सीएम योगी ने बुधवार को ही सभी सदस्यों से 11 फरवरी को भगवान श्रीरामलला के दर्शनों के लिए अयोध्या चलने का आग्रह किया था। वहीं विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने भी सभी सदस्यों को अयोध्या चलने का निमंत्रण दिया है।

'बसों में बजेगी रामधुन'

समस्त सदस्यों को ले जाने के लिए ये बसें विधानभवन के गेट संख्या–1 व 3 के सामने प्रातः 08:15 बजे उपलब्ध रहेंगी। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने निर्देश दिए कि अयोध्याधाम के दर्शन कराने वाली इन बसों की बाहरी व आंतरिक सफाई बेहतर रहनी चाहिए, पर्दे लगे होने चाहिए। बसों में सुरक्षा की दृष्टि से अग्निशमन यंत्र अवश्य रहे। साथ ही फर्स्ट एड किट उपलब्ध रहे। बसों में रामधुन भी अवश्य बजे। चालकध परिचालक व्यवहार कुशल हों एवं बस में रहें। साथ ही वर्दी में नेम प्लेट जरूर लगा होना चाहिए। परिवहन मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश की पुरातन संस्कृति एवं ध ार्मिक परम्पराओं को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में धार्मिक एवं पौराणिक नगरी अयोध या को सजाने एवं संवारने का कार्य किया जा रहा है और मर्यादा पुरूषोत्तम प्रभु श्रीराम का भव्य व दिव्य मंदिर बनाया जा रहा है। 22 जनवरी को रामलला विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से ही पूरे देश और दुनिया के लाखों श्रद्धालु दर्शन करने के लिए आ रहे हैं और अपने साथ अयोध्या के गौरवशाली इतिहास और परम्परा को ले जा रहे हैं।

'पुलिस के रोकने पर युवक ने चाकू से अपना गला काटा'

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) संतोष कुमार।अयोध्या–गोसाईगंज में चोरी की घटना में शामिल एक युवक के विषय में पूछताछ करने गई चीता मोबाइल पुलिस के रुकवाने पर एक युवक ने गले पर चाकू मारकर खुद को घायल कर लिया। आनन–फानन में पुलिस उसे सीएचसी गोसाईंगंज ले गई। यहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज दर्शन नगर रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज में उसका उपचार चल रहा है। चिकित्सकों ने उसे गंभीर लेकिन खतरे से बाहर बताया है। जानकारी के मुताबिक गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के बेलवारी खान गांव के समीप चीता मोबाइल पुलिस कर्मियों ने गांव निवासी विकास सोनी को चोरी के एक आरोपी पंकज मौर्य के बारे में पूछताछ के लिए रोका। चीता कर्मी ने जब उसे रोका तो उसने भागना चाहा,पकड़ने पर उसने अपने साथ रखे एक छोटे चाकू से अपने ही गले पर वार कर खुद को घायल कर लिया। गोसाईगंज के रामगंज बाजार स्थित किशन मौर्य का एक बीज भंडार का एक गोदाम है। गोदाम से कई दिनों से सामान की चोरी हो रही थी। किशन मौर्य ने सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद अपने एक कर्मचारी पंकज मौर्य के खिलाफ चोरी का मुकदमा दर्ज कराया।

पंकज मौर्य को पुलिस तलाश रही थी। बताया जाता है कि पंकज और विकास सोनी एक साथ टहलते घूमते हैं। चीता मोबाइल पर तैनात पुलिसकर्मियों ने उसे रोका था। प्रभारी निरीक्षक परशुराम ओझा ने बताया कि युवक खतरे से बाहर है।

'रंजिश में दो पक्षों में मारपीट इलाज के दौरान युवक मरा'

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) संतोष कुमार, अयोध्या – खंडासा थाना क्षेत्र के पूरे पांडे मजरे कीन्हूंपुर गांव में दो पक्षों में पांच फरवरी की रात हुई मारपीट में इलाज के दौरान लखनऊ में संदीप कुमार (32) की मौत हो गई। मृतक के भाई ने गांव के ही चार महिलाओं समेत 12 लोगों के खिलाफ खंड़ासा पुलिस को कार्यवाही करने के लिए तहरीर दी है। उधर मृतक का शव गांव पहुंचने पर कोहराम मच गया। परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी किए जाने तक शव का अंतिम संस्कार न करने का फैसला लिया है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार मृतक के भाई ओमप्रकाश ने आरोप लगाया है कि गांव के ही मनोज कुमार पुत्र छंगू प्रसाद से पुराना विवाद है। इसके संबंध में पहले भी मुकदमा दर्ज कराया जा चुका है। इसी रंजिश के चलते 5 फरवरी को रात्रि लगभग 9 बजे मनोज कुमार विदेशीराम, दीपक नीरज पुत्रगण छंगू राजेश राकेश पुत्र मंगरु नरेना शांति क्रांति मनोज अमरजीत मनोज कुमार शिव लाल भगेलू आदि लोगों ने एक राय होकर लाठी डंडा तथा लोहे की राड फरसा कुल्हाड़ी लेकर गाली देते हुए मेरे भाई को मारने लगे जिसे बचाने गये अमरजीत, सूरज , व दिलीप को भी जान से मारने की नीयत से मारकर गिरा दिया। हल्ला गुहार सुनकर बड़ी संख्या में ग्रामीण आ गये इसके बाद उपरोक्त लोग वहां से धमकी देते हुए चले गए । जिसमें संदीप बेहोश हो गया तथा अमरजीत सूरज व दिलीप को भी गंभीर चोटें आई। परिजन तुरंत जिला अस्पताल गए यहां से डाक्टरों ने लखनऊ रेफर कर दिया गया, जिसकी मौत मंगलवार मौत हो गई। जबकि बाकी चार घायलों का अलग–अलग अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतक के छोटी–छोटी दो बेटियां हैं। थानाध्यक्ष खंडासा मनोज कुमार यादव ने बताया कि मृतक के भाई से प्राप्त तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है।

पूर्व सैनिको ने कारगिल शहीद को 24 वर्ष बाद किये श्रद्धा सुमन अर्पित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

कन्नौज। मेजर वीरेंद्र सिंह तोमर बताया कि अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कन्नौज इकाई ने काफी मशक्कत के बाद आज कारगिल शहीद राम चंद्र पाल को 24 वर्ष बाद सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कि। एक कारगिल युद्ध मे शहीद जवान की जमीन पर दबंगो ने कब्जा कर रखा था किन्तु अखिल भारतीय पूर्व सैनिको की कड़ी मेहनत और कैप्टन उमा कांत तिवारी छिबरामऊ के सहयोग से उस जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया। और आज 24 वर्षो बाद स्मारक बनाकर वीर शहीद की प्रतिमा का अनावरण बड़े ही हर्षोल्लास किया गया।

इस मौके पर प्रमोद सिंह, शिव नरायन सिंह, राजेश सिंह सिसोदिया, बलवीर सिंह तोमर, ओमकार सिंह, मान सिंह, रमेश चतुर्वेदी, सुभाष चंद दुबे, राम नारायण दीक्षित, आर के गुप्ता, कौशल कुमार वर्मा, पंकज सिंह, मोहम्मद सलीम, सूर्य प्रताप सिंह अमर सिंह, मन मोहन मिश्रा, रावेन्द्र सिंह, अरविन्द दुबे, संजीव मिश्रा एस एन यादव आदि भारी संख्या मे पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

पूर्व क्रेन्दीय मंत्री एवं सांसद मेनिका संजय गांधी ने सुनी समस्याएं

सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के वलीपुर बाजार में पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं सांसद ने चौपाल के माध यम से लोगों की समस्याएं सुनी। जिसमें लोगों ने अपनी शिकायतें की । बिजली विभाग, पी डब्लू डी, निर्वाचन , शिक्षा, आंगनवाड़ी, कोल्ड स्टोर की मांग, उच्च शिक्षण संस्थान आदि समस्याओं को लेकर दो सौ से अधिक शिकायतें आयी। इस चौपाल में बल्दीराय ब्लाक प्रमुख एवं जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि ा शिव कुमार सिंह सभी विभाग से संवधित कर्मचारी मौजूद रहे।

'भाजपा सरकार में आम जनता त्रस्त, महंगाई चरम सीमा पर – पारसनाथ यादव'

अयोध्या(डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार, रूदौली–अयोध्या। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर आज रुदौली विधानसभा के सीवन वाजिदपुर गांव सभा में पी.डी.ए.की बैठक संपन्न हुई जिसमें मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में आम जनता त्रस्त है महंगाई चरम सीमा पर है श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री काल में जो विकास कार्य हुआ उसे जनता आज भी याद कर रही है श्री यादव ने कहा आने वाले लोकसभा चुनाव में पीडीए को साथ लेकर इंडिया का गठबंधन के नेतृत्व दिल्ली में सरकार बनेगी जिसमें महत्वपूर्ण भूमिका सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की होगी श्री यादव ने कहा कि आम जनता ने मन बनाया है कि पीडीए का सासद बनना है। समाजवादी पार्टी के जिला प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव ने बताया कि पीडीए के बैठक में समाजवादी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे सभी ने लोकसभा चुनाव में सपा के सांसद को जीतने का संकल्प लिया कार्यक्रम का संचालन राजित राम रावत जिला सचिव,आयोजक मो. अली प्रदेश सचिव,अध्यक्षता छोटेलाल यादव विध ानसभा अध्यक्ष,रिजवान रसूल प्रदेश कार्यसमित सदस्य,रुदौली नगर अध यक्ष अमीर खान, असगर अली, मवई ब्लैक अध्यक्ष विंध्या सिंह, ललई यादव, नदीम अहमद प्रदेश कार्यसमित सदस्य, सोनू खान प्रदेश सचिव अल्पसंख्यक सभा, सफीक बी. डी. सी, अबसार अहमद पूर्व प्रदेश सचिव मुलायम यूथ ब्रिगेड,सोनू खान,कलीम बी. डी. सी.,आदि लोग मौजूद रहे।

जयंती पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख पं0 कौशल किशोर का भावपूर्ण स्मरण

–संजय बोले – पिता की सौंपी विरासत को आगे ले जाने का कर रहे प्रयास।

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) 05 दशक तक ब्लॉक प्रमुख रहे पं0 कौशल किशोर तिवारी (कोठिला) का आज उनकी जयंती पर भावपूर्ण स्मरण किया गया। अयोध्या सिंह वैदिक वोकेशनल इण्टर कॉलेज (एएसवीवी) में आयोजित कार्यक्रम में स्व0 तिवारी को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उनके पुत्र पूर्व प्रमुख व एएसवीवी कॉलेज के अध्यक्ष संजय तिवारी, पुत्रवधू कोठिला प्रधान शशि तिवारी, पौत्र यश कौशल सहित कॉलेज स्टाफ ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर कन्या पूजन भी किया गया। संजय तिवारी पिता को याद कर भावुक हो गए।

कहा, वह ढाई वर्ष के थे जब उनकी माता का देहान्त हो गया था। उस के बाद पिता ने ही माता की भूमिका भी निभाई। इसलिए उनके पिता ही उनके भगवान थे और रहेंगे। कहा, पिता तमाम ऐसे पदों पर रहे जो लाभ के थे, लेकिन पद का उपयोग उन्होंने कभी निजी लाभ के लिए नहीं किया। लोगों के लिए जैसा और जिस तरह बन पड़ा, किया। पूरा जीवन आम लोगों की सेवा और सहायता को समर्पित कर दिया। छात्र–छात्राओं से कहा, माता–पिता धरती पर भगवान का रूप होते हैं और उनकी सेवा कभी निष्फल नहीं होती। उन्होंने कहा कि, कॉलेज अध्यक्ष के रूप में पिता की सौंपी विरासत को जतन से सहेजने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि बच्चों को उत्तम शैक्षणिक वातावरण मिल सके। इस अवसर पर राकेश मिश्रा, प्रिंसिपल नरेश कुमार, डॉ0 आशीष वर्मा, डॉ0 पंकज तिवारी, राजीव मिश्रा, प्रदीप गुप्ता, देवेन्द्र नाथ पाण्डेय, शैलेन्द्र सिंह, तिलकराम यादव, सूरज कुमार, सुभाष वर्मा, सतीश शुक्ला, बृजेश पाठक, जीतेन्द्र पाठक, मयंक मिश्रा, सुरभि पाण्डेय, अपराजिता मिश्रा, अभय कुमार, प्रियेश सिंह, देवेन्द्र अवस्थी, मनीष गुप्ता, राजू, गुड्डू सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

इंडियन रेडक्रास सोसाइटी ने आयोजित किया नेत्र शिविर

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के तत्वावधान में शंकर नेत्र चिकित्सालय कानपुर द्वारा आज नेत्र शिविर का आयोजन सभापति डॉक्टर रमेश अग्रवाल की अध्यक्षता में किया गया। उक्त शिविर में 95 मरीजों का पंजीकरण किया गया जिसके अंतर्गत 52 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु पाए गए जिन्हें बस द्वारा निशुल्क कानपुर ले जाया गया। शिविर में चिकित्सालय कानपुर द्वारा नेत्र चिकित्सक डॉ पीनल, राम मोहन, शिवम, संघप्रिय, रेखा तथा अनुष्का सहित नर्सिंग होम स्टाफ ने मरीजों की विधिवत जांच की। पंजीकरण का कार्य आपदा अध्यक्ष महेश चंद्र तथा वालंटियर्स टीम लक्ष्य मिश्रा, माधवी मिश्रा, अशोक कुमार पाल ने संभाला। इस अवसर पर सचिव सुनील सिंह सोमवंशी, एमके दीक्षित, लक्ष्मीकांत, रवि शुक्ला तथा नेत्र समिति अध्यक्ष एसके दीक्षित, मुरलीध ार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

'राम भक्तों की संख्या अयोध्या में नित गढ़ रही है नए कीर्तिमान के लिए'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में दर्शनार्थियों की संख्या नित नए कीर्तिमान गढ रही है। राम लला के दर्शनों के लिए पूरे देश से रोजाना हजारों की संख्या में राम भक्त अयोध या पहुंच रहे है। प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में दस गुणा वृद्धि हो गई है। 22 जनवरी से लाखों भक्तों ने रामलला का आशीर्वाद प्राप्त किया है। जानकार श्रद्धालुओं की संख्या में और इजाफा होने की बात कह रहें हैं।

रेलवे ने राम भक्तों की सुविधा के लिए कई आस्था स्पेशल ट्रेनों का संचालन कर रही है। गुरूवार को अयोध्या स्टेशन पर सलारपुर स्टेशन पर रात में गुजरात, भोर में तेलंगाना से, अयोध्या धाम में गुजरात व छत्तीसगढ़ से दर्शन नगर व सलारपुर स्टेशन पर महाराष्ट्र से, कटरा स्टेशन पर पश्चिम बंगाल तथा अयोध्या कैंट स्टेशन पर दिल्ली से आस्था स्पेशल गाड़ियों से राम भक्त अयोध्या पहुंचे। स्टेशन पहुंचने पर स्थानीय लोगों द्वारा रामभक्तों का स्वागत पुष्प वर्ष कर किया जा रहा है। आने वाले भक्त जयश्री राम के जयघोष से परिवेश को राममय बना रहे हैं। रेलवे स्टेशन कटरा में जिपंअ रोली सिंह, अयोध्या धाम में आलोक सिंह रोहित, अयोध्या कैंट में हरीश श्रीवास्तव, सलारपुर रेलवे स्टेशन रणवीर सिंह, अंकुर सिंह, कर्मवीर सिंह, लवलेश दूबे के नेतृत्व मे स्थानीय रामसेवकों द्वारा आने वाले रामभक्तों का स्वागत किया जा रहा है। स्वागत व्यवस्था के प्रभारी विजय प्रताप सिंह है। इसके बाद बसों से दर्शनार्थियों टेंट सिटी जा रहे है।

जहां स्नान तथा अल्पाहार के बाद प्रभु के दर्शन हेतु जाते है। परिवहन व्यवस्था की देख–रेख गोरखनाथ बाबा कर रहें है। रामनगरी में मिलने वाले आतिथ्य से श्रद्धालु प्रसन्न दिखे। राममंदिर की भव्यता तथा दिव्यता ने सभी का मन मोह लिया। कुछ श्रद्धालु पूर्व में भी अयोध या आ चुके हैं। अयोध्या के विकास कार्यों को देख कर बोले अब अयोध या बदल गई है।

जिलाधिकारी के निर्देश पर तहसील के सभी स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ के निर्देशानुसार सभी उपजिलाधिकारी और तहसीलदारों के द्वारा अपने अपने तहसील के अंर्तगत आने वाले सभी स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान समस्त उपजिलाधिकारी और तहसीलदार के द्वारा सुनिश्चित कराया गया कि आम जनमानस को ससमय आवश्यक स्वास्थ्य सुविध ाा सुलभ रूप से मिल सकें। इस दौरान आपातकालीन सेवाओं, दवाओ की उपलब्धता सहित समस्त स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण करते हुए उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

उपजिलाधिकारी केराकत के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य सुविध ाएं संतोषजनक नहीं पाई ग्यिजिस्क क्रम में उन्होंने तत्काल व्यवस्था ठीक कराकर अवगत कराने के निर्देश दिए गए।अन्य जगहों पर व्यवस्था संतोषजनक पाई गई।

शासन के निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी महोदय का स्पष्ट निर्देश है कि स्वास्थ्य केंद्रों पर मरीजों का अच्छे से इलाज किया जाए। स्वास्थ्य केंन्द्र पर आने वाले मरीजों से अच्छा व्यवहार किया जाए। सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक दवाए और एन्टी रेबीज इंजेक्शन उपलब्ध रहे। सभी केंद्र पर साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। नियमित अंतराल पर बेडशीट बदल दी जाएं।

स्वास्थ्य केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता हो जिससे आम जनमानस को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना ना करना पड़े।

अनाहिता और इनाया का प्रयास प्रशंसनीय, अल्पायु बच्चों के भविष्य को लेकर दृढ़ संकल्पित

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) अनाहिता अग्रवाल और इनाया अगवाल द्वारा संचालित इकाशा फाउंडेशन द्वारा जनपद हरदोई, उत्तर प्रदेश के मुजाहिदपुर विद्यालय के बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। अनाहिता और इनाया अग्रवाल अभी महज 14 वर्ष की हैं मगर उनका अटूट समर्पण और प्रयास प्रसंशनीय है। उन्होंने देश के लिए एक मिशाल पेश की है। 3 से 10 वर्ष की आयु के छोटे बच्चों का भविष्य संवारने के उनके दृष्टिकोण ने न केवल प्यारे बच्चों बल्कि उनके माता–पिता को भी एक नई आशा दी है। उन्हें उनके सपनों को पूरा करने का हर संभव मदद के लिए आश्वस्त किया है।

अनाहिता और इनाया अग्रवाल ने मुजाहिदपुर विद्यालय में कंप्यूटर की शुरुआत कर बच्चों को तकनीक से अवगत कराया जो समय की मांग है। जिन्होंने जन्म से ही रोशनी नही देखी उनके साथ त्योहार मनाते हैं उनके जीवन में खुशियां भरने का प्रयास करते हैं। समय–समय पर वृक्षारोपण अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुक करते हैं। टीम भावना और लीडरशिप विकसित करने के लिए खेल गतिविधियों का आयोजन कराती हैं। साथ ही खेल में अच्छे बच्चों को प्रोत्साहित कर देश के लिए खेलेने के लिए हरसंभव मदद करती हैं। अनाहिता और इनाया स्कूल की गतिविधियों में बच्चों के साथ शामिल होती हैं। उन्हें प्रेरित कर, मार्गदर्शित कर उनके सपनों को पूरा करने का हरसंभव प्रयास करती हैं। उनका मानना है कि ये बच्चे देश का भविष्य हैं, देश की आशा हैं। इकाशा फाउंडेशन, ग्रामीण बच्चों को एक घर, एक परिवार जैसा माहौल उपलब्ध कराता है। जहां वे अपने सपनों को पंख दे सकें, उसे प्राप्त कर सकें। अनाहिता और इनाया से जब पूछा गया कि आपके सामाजिक कार्य की प्रेरणा कौन है तो उन्होंने कहा कि उन्हें सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा उनके दादा श्री नरेश अग्रवाल और पिता श्री नितिन अग्रवाल से मिलती है जो सक्रिय रूप से सामाजिक कार्यो में संलिप्त रहते हैं। साथ ही उन्होंने अपनी मां श्रीमती गरिमा अग्रवाल को भी हृदय से धन्यवाद देते हुए कहा कि मां एक उद्यमी हैं।

प्रेमिका को पाने के लिए रची अपनी हत्या की साजिश पुलिस ने किया खुलासा

सुल्तानपुर। पत्नी और दो बच्चों से पीछा छुड़ाकर प्रेमिका को पाने और नौ लाख के कर्ज से बचने को युवक ने रचा था अपनी हत्या का ताना–बाना। दुबेपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात चालक द्वारिका प्रसाद शुक्ला को शराब पिलाकर की गई थी हत्या। खुद कोध मुर्दा दिखाने के लिए शातिर कथित मृतक विक्रांत वर्मा ने रची चालक की हत्या के बाद उसे जलाने की साजिश। डेड बॉडी के पास अपनी बाइक खड़ा कर उसकी जेब में डाला था विक्रांत ने अपना मोबाइल। 16 जनवरी को कोतवाली देहात के दुबेपुर फार्म हाउस में मिली अधजली लाश से जुड़ा मामला। पत्नी और कर्जदारों को चकमा देकर फरार हुआ विक्रांत वर्मा हरियाणा के पानीपत से हुआ गिरफ्तार। एसपी सोमेन वर्मा ने रहस्य में हत्याकांड के खुलासे के लिए सीओ अब्दुल सलाम,देहात कोतवाल श्याम सुंदर और उनकी टीम के लिए घोषित किया 25,000 का इनाम। देहात कोतवाल श्याम सुंदर बोले,न्यायालय के आदेश पर की जा रही शातिर साजिशकर्ता के खिलाफ जेल भेजने की कार्रवाई।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R/-1

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।